राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 208
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
सोमवार 23 जून 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 ग्रेनो वेस्ट में आम्रपाली रिवर व्यू के निवासियों का विरोध | पेज 4 एसपी ने दो निरीक्षक आठ उप निरीक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र | पेज 6 जो कुछ मिला उससे खुश हूं : रोहित

संक्षिप्त खबरें

मुंबई एयरपोर्ट पर 16 करोड़ की कीमत का सोना और हाइड्रोपोनिक वीड बरामद, 4 गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई कस्टम डिपार्टमेंट ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 16 करोड़ की कीमत का हाइड्रोपोनिक वीड और गोल्ड डस्ट (चूरा) जब्त किया। 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, इनमें दो लोग एयरपोर्ट के कर्मचारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट कर्मचारियों के तस्करी में शामिल होने गुप्त सूचना मिली थी। दोनों की जांच की गई। इस दौरान उनकी जेब और मोजे में छिपाई मोमबत्ती मिली। जिसके अंदर 24 कैरेट सोने का चूरा छिपाया गया था।

पंजाब के 2 युवक जासूसी के शक में गिरफ्तार

अमृतसर। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पंजाब की अमृतसर पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान अमृतसर के धारीवाल के रहने वाले गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी और उसके साथी साहिल मसीह उर्फ शैली के रूप में हुई है। आरोपियों से 2 मोबाइल जब्त किए गए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि गुरप्रीत सिंह भारतीय सेना में है। उसकी तैनाती जम्मू में है। वह पाकिस्तान में बैठे आईएसआई के एजेंट राणा जावेद के साथ संपर्क में था। हमें शक है कि गुरप्रीत ने पेन ड्राइव के जरिए खुफिया जानकारियां पाकिस्तान भेजी हैं।

हैप्पी मॉर्निंग

गोलू- अपने पड़ोसी दोस्त भोलू से बोला- आज सुबह तुम्हारे कुत्ते ने मेरी किताब फाड़ दी।
भोलू- मैं उसे अभी सजा देता हूं।
गोलू- रहने दे भाई, मैंने सजा दे दी है।
भोलू- चौंकते हुए, कैसे?
गोलू- मैंने उसके कटोरे का दूध पी लिया!

शायरी

नींद ना आए रातों को, अब तो पंखे-कूलर सब फेल हुए, गर्मी इतनी बढ़ गई, घर में ही ऐसा लगे जैसे तिहाड़ जेल गए

अर्थसार

सेंसेक्स:
82,408.17
+1,046.30 (1.29%)
निफ्टी:
25,112.40
+319.15

मौसम

अधिकतम : 34 डिग्री से0
न्यूनतम : 27 डिग्री से0
सूर्योदय मंगलवार : 5 : 25
सूर्यास्त सोमवार : 7 : 37

एयरस्ट्राइक : अब ईरान की मिसाइल फैक्ट्री पर हमला

इजराइली आर्मी ने 2000 किमी दूर एयरस्ट्राइक की; ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट का मुद्दा उठाया

तेहरान/तेल अवीव। इजराइल-ईरान संघर्ष को 10 दिन हो चुके हैं। इजराइली एयरफोर्स ने रविवार देर रात ईरान के शाहरुद में बैलिस्टिक मिसाइल इंजन बनाने वाली फैक्ट्री पर हमला किया। यह जगह इजराइल से करीब 2000 किलोमीटर दूर है।
इस हमले में मिसाइल इंजन बनाने वाली कई मशीनें और जरूरी इक्विपमेंट तबाह हो गए।
इसके अलावा इजराइल ने तेहरान, केरमांशाह और हमादान में भी एयर स्ट्राइक की।

दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए? मेक ईरान ग्रेट अगेन।
अमेरिका ने कल ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किए थे। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान थे। इस ऑपरेशन में 7 बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बस्टर बम गिराए थे।

इजराइल का ईरान में एम्बुलेंस पर ड्रोन हमला, 3 की मौत

ईरानी मीडिया के मुताबिक, सेंट्रल ईरान के इस्फहान प्रांत में एक इजराइली ड्रोन हमले में एक एम्बुलेंस को निशाना बनाया गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इलाके के गवर्नर हमिदरेजा मोहम्मदी फेशारकी ने बताया कि यह एम्बुलेंस एक मरीज को ले जा रही थी, तभी ड्रोन हमले से इसे भारी नुकसान पहुंचा। गवर्नर ने कहा- एम्बुलेंस में मौजूद ड्राइवर, मरीज और मरीज के साथी, सभी की मौत हो गई। ड्रोन हमले की वजह से एम्बुलेंस बेकाबू होकर एक गाड़ी से टकरा गई।

विरोध मार्च

सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया के सदस्य कोलकाता में ईरान पर अमेरिकी हमलों के खिलाफ विरोध मार्च में भाग लेते हुए।

ऑपरेशन सिंधु- ईरान से 285 और नागरिक भारत पहुंचे

अब तक 1,713 भारतीय स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक कुल 1,713 भारतीयों को निकाला गया है।
मशहद से एक और प्लेन रविवार की रात 11: 30 बजे 285 नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंचा।
इससे पहले 21 जून को 600, 20 जून को 407 और 19 जून को 110 भारतीय दिल्ली पहुंचे थे।
ईरान से दिल्ली पहुंचे इन यात्रियों ने एयरपोर्ट पर वन्दे मातरम् और भारत माता की जय के नारे लगाए। कुछ लोग भावुक भी हुए। उनकी आंखों में आंसू आ गए। कुछ ने जमीन पर माथा टेका।
दूसरी तरफ रविवार को 160 भारतीयों का जत्था इजराइल से निकाल लिया गया है, जो जॉर्डन पहुंच गया है। आज यह बैच दिल्ली पहुंचेगा।
इजराइल में करीब 40 हजार भारतीय नागरिक हैं, जिनमें केयरगिवर, छात्र, मजदूर शामिल हैं।

राजा मर्डर केस में सबूत मिटाए, दो गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच में जुटी मेघालय पुलिस की एसआईटी को बड़ी कामयाबी मिली है। सबूत छिपाने के आरोप में इंदौर से प्रॉपर्टी डीलर शिलोम जेम्स और अशोकनगर से सुरक्षा गार्ड बलवीर अहिरवार उर्फ बल्लू को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को रविवार शाम इंदौर जिला अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर मेघालय पुलिस के हवाले कर दिया गया। जेम्स और बल्लू पर राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी का वह बैग गायब करने का आरोप है, जिसे उसने वारदात के बाद इंदौर के देवास नाका स्थित एक फ्लैट में छिपाया था। इस बैग में हत्याकांड से जुड़े अहम सबूत थे। इसमें पांच लाख रुपए नकद, सोने-चांदी के जेवरात और एक देशी तमंचा शामिल हो सकते हैं।

एयर इंडिया का बड़ा फैसला

19 मार्गों पर उड़ानों को अस्थायी रूप से किया जाएगा कम

एजेंसी

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने तीन फ्लाइट्स को 15 जुलाई तक अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है इसमें दो इंटरनेशनल फ्लाइट बेंगलुरू से सिंगापुर, पुणे से सिंगापुर की हैं। वहीं एक डोमेस्टिक फ्लाइट है, जो मुंबई से बागडोगरा चलती है। एयरलाइन ने रविवार को सोशल मीडिया ङ्क पर इसकी जानकारी दी।
कंपनी ने बताया कि, वे 19 रूट पर चलने वाली डोमेस्टिक फ्लाइट्स की संख्या भी घटा रहे हैं। ये सभी नैरोबॉडी विमान हैं, यह छोटे विमान होते हैं जिनमें यात्री क्षमता कम होती है। इससे पहले एयरलाइन ने वाइडबॉडी विमानों की संख्या 15 प्रतिशत कम करने का फैसला लिया था।

उधर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने एअर इंडिया को गंभीर चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर फ्लाइट ऑपरेशन में गड़बड़ियां जारी रहीं, तो एयरलाइन का लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है या वापस भी लिया जा सकता है।

नैरो बॉडी विमान

एक ही गलियारा
कम यात्री क्षमता
आमतौर पर छोटी और मध्यम दूरी की उड़ानों के लिए उपयोग किया जाता है।
उदाहरण : बोइंग 737, एयरबस 320

वाइड बॉडी विमान

दो या तीन गलियारे
अधिक यात्री क्षमता
आमतौर पर लंबी दूरी की उड़ानों के लिए उपयोग किया जाता है।
उदाहरण : बोइंग 747, एयरबस ए 380
इससे पहले शनिवार को डीजीसीए के आदेश पर एअर इंडिया को 3 अफसरों को हटाया था। तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई।
डीजीसीए ने एअर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया।

तीनों अफसरों पर 3 आरोप

जिन अफसरों को हटाने का निर्देश दिया गया है उन पर तीन आरोप लगे हैं। पहला- नियमों के खिलाफ जाकर क्रू पेयरिंग करना। दूसरा- अनिवार्य उड़ान अनुभव और लाइसेंसिंग नियमों का उल्लंघन करना। तीसरा-शेड्यूलिंग प्रोटोकॉल का पालन नहीं करना।

पहलगाम हमला- आतंकियों को पनाह देने वाले 2 लोग गिरफ्तार

एनआईए ने पहलगाम से अरेस्ट किया; आरोपियों ने बताया- आतंकी पाकिस्तानी नागरिक, लश्कर से जुड़े

पहलगाम हमले के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर

भारत ने पहलगाम हमले का बदला लेते हुए 6-7 मई की रात 1: 05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। हमले में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद चीफ मौलाना मसूद अजहर की फैमिली के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए। भारत ने 24 मिसाइलें दागीं।

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ह्ढ्ढ की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी।
गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे।
एनआईए के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थीं। 22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी और 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुनकर निशाना बनाया था। घटना पहलगाम शहर से 6 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में हुई थी।

हमले की जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे

हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है। इन पर 20-20 लाख रुपए का इनाम भी रखा गया है।
फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि एनआईए ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्होंने इन्हीं तीन आतंकियों के नाम उजागर किए हैं या किन्हीं और आतंकियों के।

एयर होस्टेस नगंतोई शर्मा का मणिपुर में अंतिम संस्कार हुआ

इम्फाल। अहमदाबाद में 12 जून को एअर इंडिया की लंदन जा रही ह्ढ171 फ्लाइट क्रैश हुई थी। घटना में मणिपुर की 2 युवतियों कोंगब्राइलाटपम नगंतोई शर्मा (20) और लामनुनथेम सिंगसन (26) का भी निधन हुआ था। दोनों केबिन क्रू में शामिल थीं। लामनुनथेम सिंगसन का अंतिम संस्कार 19 जून को हुआ था। रविवार दोपहर कोंगब्राइलाटपम नगंतोई शर्मा का पार्थिव शरीर इम्फाल के बीर टिकेंद्रजीत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लाया गया। यहां एयरपोर्ट स्टाफ ने नगंतोई को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद नगंतोई का शव खुले ट्रक में रखकर थौबल लाया गया, यहां उनका परिवार रहता है। एयरपोर्ट से थौबल लाने के दौरान हजारों लोग सड़क के दोनों और खड़े नजर आए। लोगों ने नगंतोई को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कई लोग भावुक भी नजर आए। नगंतोई के पिता-बहन अहमदाबाद पहुंचे थे। वहां डीएनए सैंपल हुआ था।

पूर्व जज यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी

नई दिल्ली। एक संसदीय समिति हाई कोर्ट में न्यायाधीशों के लिए आचार संहिता बनाने पर चर्चा करने के लिए तैयार है, जबकि सरकार दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। लिहाजा कर्मचारी, जन शिकायतें, कानून और न्याय संबंधी मामलों पर एक संसदीय स्थायी समिति मंगलवार को एक बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करेगी और जजों की सेवानिवृत्ति के बाद के कार्यों पर भी विचार करेगी।
समिति सचिवालय की ओर से भेजे गए एक नोटिस में समिति के सदस्यों को सूचित कर बताया गया है, समिति न्याय मंत्रालय के सचिव से न्यायिक प्रक्रियाएं और उनके सुधार विषय पर सुनवाई करेगी, जो हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए आचार संहिता से संबंधित मुद्दों और न्यायाधीशों द्वारा सेवानिवृत्ति के बाद के कार्यों को उठाने के संबंध में है। राज्यसभा की समिति की अध्यक्षता भाजपा सांसद ब्रिजलाल कर रहे हैं, जिसमें भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, जो एक नामित सांसद हैं, पूर्व कानून राज्य मंत्री पी.पी. चौधरी, तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुखेंदु शेखर राय और कल्याण बनर्जी, कांग्रेस के विवेक टंका और द्रमुक केपी विल्सन और ए. राजा जैसे प्रमुख सदस्य शामिल हैं।

गुजरात में पंचायत चुनाव के लिए वोटिंग हुई

अहमदाबाद। गुजरात में पंचायत चुनाव के लिए आज वोटिंग हुई। शाम 6 बजे तक वोट डाले गए। काउंटिंग 25 जून को होगी। राज्य में 8,326 ग्राम पंचायतें हैं। इनमें से 751 ग्राम पंचायतों में निर्विरोध चुनाव हो गए हैं। चुनाव में कुल 3656 सरपंच, 16224 पंचायत सदस्य चुनने के लिए 81 लाख मतदाता मताधिकार का प्रयोग किया।
मतदान जामनगर जिले में 187 ग्राम पंचायतों के चुनाव में शाम बजे तक औसतन 64 प्रतिशत मतदान हुआ। बड़ी संख्या में मतदाता, जिनमें बुजुर्ग, युवा और महिलाएं शामिल हैं, वोट डालने के लिए लंबी कतारों में खड़े देखे गए। पुलिस ने कुछ बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने में मदद की ताकि वे भी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। युवाओं से भी मतदान करने की अपील की गई थी।

देख-रेख

राज्य खुद सुधारेंगे सड़कें, केंद्र फंड देगा; मोदी ने प्लान बनाने को कहा

स्टेट-हाइवे को 'एनएच' में बदलने की रफ्तार कम करेगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब स्टेट हाईवे को नेशनल हाइवे में बदलने की रफ्तार कम करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब हर सड़क को एनएच का दर्जा नहीं मिलेगा, बल्कि राज्य सरकारों को खुद अपने हाईवे सुधारने के लिए पैसे दिए जाएंगे।
नए मॉडल के तहत, अपग्रेड के बाद इन सड़कों की देख-रेख राज्य सरकारें करेंगी। केंद्र सरकार अब ग्रीनफील्ड हाईवे और एक्सप्रेसवे बनाने पर फोकस करेगी।
रिपोर्ट्स के मुताबिक पीएम मोदी ने निर्देश हाल ही में ट्रांसपोर्ट मंत्रालय को जुलाई के अंत तक ऐसा मॉडल बनाने कहा है जिससे स्टेट हाईवे को एनएच डिक्लेयर करने की जरूरत ही कम हो। मंत्रालय को स्टेट हाईवे और छोटे पोर्ट्स को जोड़ने के लिए कहा गया है।

पिछले 11 साल में सरकार ने 55,000 किमी राज्य हाईवे को एनएच में बदला, जिससे अब नेशनल हाइवे की कुल लंबाई 1.46 लाख किमी हो गई है।
सरकार का मानना है कि नेटवर्क फैलाने के बजाय, मौजूदा हाईवे को चौड़ा और बेहतर बनाना ज्यादा जरूरी है। मार्च 2025 तक भारत में कुल सड़क नेटवर्क की लम्बाई 63 लाख किमी से ज्यादा हो चुका है।

राज्यों को मिला सकता है ज्यादा फंड

नए प्लान में राज्यों को अपने हाईवे सुधारने के लिए केंद्र से एकमुश्त फंड मिल सकता है। इससे वे अपनी जरूरत के हिसाब से सडकों को सुधार हैं।
अपग्रेड के बाद इन सड़कों की देखरेख और मेंटेनेंस भी राज्य सरकारें ही करेंगी, जिससे केंद्र सरकार लंबी दूरी की यात्रा के लिए सड़कें बनाने पर फोकस कर सकेगी।

पहले राज्य सरकारें भेजतीं थी एनएच का प्रस्ताव

पहले राज्य सरकारें अपनी अहम सड़कों को एनएच में बदलवाने के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजती थीं। केंद्र सरकार इन सड़कों की राष्ट्रीय महत्व, ट्रैफिक और कनेक्टिविटी के आधार पर जांच कर उन्हें एनएच घोषित करती थी।
इसके बाद इन सड़कों की देखरेख और फंडिंग केंद्र सरकार के जिम्मे आ जाती थी।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश में गिरोहबंद कानून के दुरुपयोग के खिलाफ उठती आवाजें

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

उत्तर प्रदेश में गिरोहबंद और समाज विरोधी गतिविधियाँ (निवारण) अधिनियम, 1986, जिसे आमतौर पर गिरोहबंद कानून के नाम से जाना जाता है, को संगठित अपराध को नियंत्रित करने के लिए लागू किया गया था। इस कानून का उद्देश्य गैंगस्टरों और समाज के लिए खतरा बनने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगाना था। हालांकि, हाल के वर्षों में इस कानून के कथित दुरुपयोग ने कई सवाल खड़े किए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता, वकील, और आम नागरिक अब इसके गलत इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, जिससे यह कानून विवादों के घेरे में आ गया है। गिरोहबंद कानून के तहत पुलिस को व्यापक अधिकार प्राप्त हैं। इसमें बिना किसी ठोस सबूत के व्यक्तियों को हिरासत में लेने, उनकी संपत्ति जब्त करने, और लंबे समय तक जमानत से वंचित रखने की शक्ति शामिल है। इसकी सख्त धाराओं का उद्देश्य अपराधियों को दंडित करना था, लेकिन कई मामलों में यह देखा गया है कि इसका उपयोग निर्दोष लोगों को निशाना बनाने, व्यक्तिगत रंजिश को साधने, और राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में यह कानून न केवल नागरिक स्वतंत्रता के लिए खतरा बन रहा है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठा रहा है।

हाल के कुछ उदाहरणों ने इस कानून के दुरुपयोग को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-मोटे विवादों, जैसे कि जमीन या संपत्ति से संबंधित मामलों में, प्रभावशाली लोग इस कानून का सहारा लेकर अपने विरोधियों को परेशान करते हैं। कई बार पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से बेगुनाह लोगों को गैंगस्टर घोषित कर उनकी संपत्ति जब्त कर ली जाती है। इसके अलावा, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, और सरकार की आलोचना करने वालों पर भी इस कानून का इस्तेमाल देखा गया है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है।

इस कानून के दुरुपयोग का एक प्रमुख कारण इसकी अस्पष्ट परिभाषाएँ और ढीली प्रक्रियाएँ हैं। गैंगस्टर की परिभाषा इतनी व्यापक है कि इसे किसी भी व्यक्ति पर लागू किया जा सकता है। इसके लिए ठोस सबूतों की आवश्यकता नहीं होती, जिससे पुलिस को मनमानी करने का मौका मिलता है। साथ ही, इस कानून के तहत जमानत मिलना बेहद मुश्किल होता है, जिसके चलते कई लोग बिना दोष सिद्ध हुए जेल में महीनों या सालों तक बंद रहते हैं। यह न केवल उनके परिवारों के लिए आर्थिक और मानसिक संकट का कारण बनता है, बल्कि सामाजिक असमानता को भी बढ़ाता है।

इस स्थिति ने सामाजिक और कानूनी संगठनों को सक्रिय कर दिया है। कई गैर-सरकारी संगठन और मानवाधिकार कार्यकर्ता इस कानून के दुरुपयोग के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। वे मांग कर रहे हैं कि इस कानून की समीक्षा की जाए और इसे और पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही, वे यह भी चाहते हैं कि इसके तहत दर्ज मामलों की निष्पक्ष जाँच हो और बेगुनाह लोगों को तुरंत राहत दी जाए। उच्च न्यायालयों ने भी कुछ मामलों में हस्तक्षेप किया है और इस कानून के गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई है।

निष्कर्षत:, गिरोहबंद कानून अपने मूल उद्देश्य से भटक चुका है। यह संगठित अपराध को रोकने की बजाय कई बार निर्दोष लोगों के उत्पीड़न का हथियार बन गया है। सरकार को इसकी समीक्षा कर सख्त दिशानिर्देश लागू करने चाहिए, ताकि इसका दुरुपयोग रोका जा सके। साथ ही, नागरिकों को भी जागरूक होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आना होगा। तभी यह कानून अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगा और समाज में न्याय सुनिश्चित हो सकेगा।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे ?

तनवीर जाफ़री

इस्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख़ तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया। इस्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वार्ताकार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्राईली हमलों को शानदार बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ़ है ईरान पर इस्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब ज़रा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक़ में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवत: परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए ख़तरा हो सकते हैं। यह दावा ख़ुफ़िया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी ख़ुफ़िया जानकारी को बहाना बनाकर अमेरिका ने ऑपरेशन इराक़ी फ़्रीडम के नाम से इराक़ पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक़ को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक़ में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी ग़लत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगज़ाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक़ पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी । इराक़ की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराक़ी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था।

बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक़ ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है.वह अमेरिका जो कोरिया,ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा,कांगो, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया, लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ, ईरान(1987) पनामा, इराक़, कुवैत, सोमालिया, बोस्निया, सूडान, अफ़ग़ानिस्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का ज़िम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं ? या फिर फ़िलिस्तीन की ज़मीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर क़ब्ज़ा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्राईल जिसपर ग़ज़ा में लगभग 82,000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं ? जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने,क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने,शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका वयवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं ?

आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा ज़ख़ीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस,चीन,फ़्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्राईल,उत्तर कोरिया,भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी ज़रूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों ज़रूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इज़राईल जो भूखे,निहत्थे बच्चों व बुज़ुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा,जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने क़ब्ज़े की ज़मीन का लगातार विस्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फ़िलिस्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदख़ल करने की साज़िश रच रहा हो,जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आख़िर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना ज़रूरी क्यों नहीं ? क्या इस पूरे मध्य क्षेत्र को अमेरिका इस्राईल के रहम-ो-करम पर जीने के लिये छोड़ देना चाहिये ? ताकि जब चाहें और जिस देश को चाहें ग़ज़ा,यमन व लेबनान बना सकें ?

निश्चित रूप से युद्ध से बुरी कोई स्थिति नहीं होती। हमेशा इस त्रासदी का शिकार बेक़ुसूर महिलाएं,बच्चे व बुज़ुर्ग होते आये हैं। युद्ध से मानवता आहात होती है। सही मायने में तो पूरे विश्व को ही न केवल परमाणु शस्त्र मुक्त बल्कि पूरा विश्व नि:शस्त्र भी होना चाहिये। परन्तु अमेरिका इज़राईल जैसे देशों द्वारा जब अपनी ताक़त का दुरूपयोग दशकों से किया जाता रहा हो और यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा हो ऐसे में इन्हें वाक ओवर देने के बजाये इनके सामने अपने स्वाभिमान के लिये संकल्पबद्ध होकर खड़े होना कौन सा जुर्म है ? अमेरिका व इस्राईल के सामने ईरान के सिर उठाकर खड़े होने जैसे फ़ौलादी इरादों की आज दुनिया सराहना कर रही है। परन्तु यह देश आज कभी ईरान के निष्कासित रज़ा शाह पहलवी के पुत्र के काँधे पर सवार होकर तो कभी भीतरी फूट डालकर कभी मोसाद का इस्तेमाल कर ईरान को अस्थिर करने की पुरज़ोर कोशिश में लगा है। इनकी गिद्ध दृष्टि इस बात पर टिकी है कि किसी तरह वर्तमान संकल्पवान व स्वाभिमानी ईरानी सत्ता को बेदख़ल कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाई जाये और ईरान को अस्थिर कर यहाँ भी मनमर्ज़ी से तेल दोहन किया जा सके। परन्तु शहादत को अपना आभूषण समझने व दास्तान ए करबला से प्रेरणा लेना वाला यह देश अमेरिका व इज़राईल की घुड़कियों को कुछ भी नहीं समझ रहा। क्या ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार नहीं ? क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश ही यह तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे और कौन न रखे ?

पड़ोसी देशों से बेहतर रिश्ते बनाने की हो कोशिश

'दुश्मन को बिना लड़े हरा देना, कौशल की पराकाष्ठा है'-प्रसिद्ध चीनी जनरल सन त्जु ने यह सूक्ति 500 ईसा पूर्व दी थी; जो आज भी सटीक है। चीनी अपने पुरातन सैन्य रणनीतिकारों के अच्छे शिष्य रहे हैं, जैसा कि भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद महासागर को लेकर उनकी भू-राजनीतिक रणनीति 'स्ट्रिंग ऑफ़ पर्ल्स' में परिलक्षित है, जहां से होकर वैश्विक जहाजरानी का बड़ा हिस्सा गुजरता है। उन्होंने ग्वादर (पाकिस्तान), हम्बन्तोता (श्रीलंका), क्यौकप्यू (म्यांमार) और जिबूती में बंदरगाह विकसित किए। इसे जब उनकी बेल्ट एंड रोड पहल से जोड़कर देखें तो इस क्षेत्र पर बनता उनका वर्चस्व और चीनी व्यापार एवं सैन्य ताकत प्रदर्शित करती क्षमता साफ दिखती है। साल 1978 से 2005 तक उनकी इकोनॉमी 9 फीसदी दर से बढ़ी, जिसने उन्हें एक गरीब देश से विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया।

इसी वक्त, उसने एक दीर्घकालिक भू-राजनीतिक रणनीति भी चलानी शुरू की। इन बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे को बनाने में दशकों लग गए। आज, उपमहाद्वीप के राजनीतिक मानचित्र को देखते हुए, खुद को जिस तेजी से अलग-थलग माहौल में पा रहे हैं, उससे हम आंखें मूंद नहीं सकते। पाकिस्तान से लगती उत्तर-पश्चिमी सीमा शत्रुतापूर्ण है; उत्तर-पूर्वी परिदृश्य में चीन का दबदबा है, शत्रुतापूर्ण बांग्लादेश, तटस्थ नेपाल, नटखट म्यांमार और कमजोर भूटान है। दक्षिण में, श्रीलंका खुद को चीनी प्रभाव में धंसता पा रहा है। सालों चले तमिल-सिंहली संघर्ष के बाद दिशा भटकी भारतीय शांति स्थापना मुहिम ने बहुत हद तक आपसी भरोसा तोड़ा। इस रिश्ते को सुधारने को अगले दशकों में खास नहीं किया। पुराना सहयोगी मालदीव हमें मुश्किल सहन करता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ कोई सार्थक व्यापार समझौता नहीं, तो हम खड़े कहां हैं?

दुनिया हिंसा के भंवर में फंसी है और कई अन्य ज्वलंत बिंदु हैं, जो हमें हिंसा की ओर धकेल सकते हैं। तीन साल पहले, जब यूक्रेन-रूस युद्ध छिड़ा था, तो हमारे प्रधानमंत्री ने हिंसा खत्म करने का आह्वान किया था -'यह युग युद्ध का नहीं है' जिसकी प्रतिध्वनि दुनियाभर में गूंजी। हालांकि,तब से दुनिया विनाशकारी परिणाम के भंवर की ओर खिंचती प्रतीत हो रही है। मध्य-पूर्व और यूक्रेन में तबाही पर बात करने से पहले देखें कि मौजूदा परिदृश्य में हम किस स्थिति में हैं।

सच है कि हमने लगभग कभी युद्ध नहीं चाहा, लेकिन जब कभी इसने हमारे दरवाजे पर दस्तक दी तो हम हमेशा आगे बढ़े और अपना बचाव किया। हालांकि, अहम यह कि युद्ध को अपनी सीमाओं से दूर रखा जाए, इससे पहले कि यह हमें नुकसान पहुंचाए। इसके लिए, अपने पास मजबूत रक्षा बल के साथ-साथ कुशल कूटनीति होनी जरूरी है। सबसे पहले अपने पड़ोस और अपने आसपास के दोस्तों के साथ खास सक्रिय रहना चाहिए। लेकिन, लगता है आसपास के क्षेत्र में हमारा कोई दोस्त नहीं रहा। यह रातोंरात बनी स्थिति नहीं, बल्कि हमारे द्वारा किसी भी सार्थक प्रयास की अनुपस्थिति में, चीन द्वारा की गई श्रमसाध्य नीतिगत पहलों का परिणाम है।

जबकि हमने आत्म-त्याग में जीना चुना। चीन ने चतुराई से अपना खेल खेला और इन देशों को उनकी जरूरत अनुसार समय-समय पर वित्तीय मदद, बुनियादी ढांचा निर्माण और अन्य भौतिक मदद प्रदान करके दिल जीत लिया। अब उसके पास हमारी सीमाओं और सीमावर्ती राज्यों में परेशानी खड़े करने की क्षमता है, चाहे वह पूर्वोत्तर हो या उत्तर-पश्चिम। रणनीतिक लक्ष्यों के साथ सक्रिय राजनयिक मिशन रखने से इस परिदृश्य से बचा जा सकता था।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3569

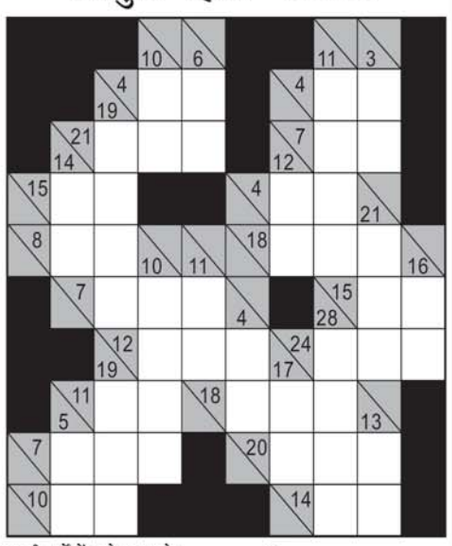

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3568 का हल

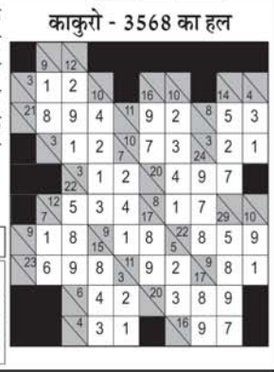

लॉफ़िंग ज़ोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3569

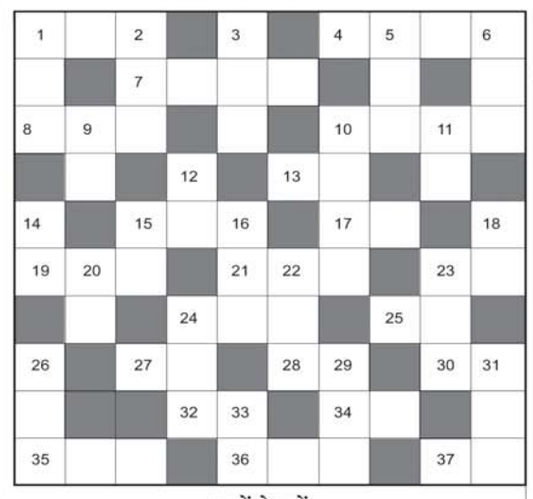

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरे गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शोशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3568

अ	नि	ता		जो	र		वे	ना	म
नु		र	का		वी	र	ता		म
म	र्द		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		चू		सु		ना	
क	भी	क	भी		सु	ह	ग	र	त
	गी	त		चि	र	ग		य	
गो	र		शा		ग		चि		ह
	त	क	दी	र		इ	त	का	म
ज		री		त	ब्बू		चो		र
या	र	ना		न		अ	र	बा	ज

सूडोकु -3569

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3568 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली -3569

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3568 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	खा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
बा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	ब	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्ना	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	मौ	प	दे	श	क

ग्रेनो वेस्ट में आम्रपाली रिवर व्यू के निवासियों का विरोध

पार्किंग, क्लब हाउस समेत कई सुविधाओं की मांग, एनबीसीसी पर लापरवाही का आरोप

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित आम्रपाली रिवर व्यू सोसाइटी के निवासियों ने एनबीसीसी और ष्टक कार्यालय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हुए।

निवासियों ने कई गंभीर मुद्दे उठाए। उनका कहना है कि एनबीसीसी ने सोसाइटी का ग्रीन एरिया गौर बिल्डर को कम कीमत में दे दिया। बिल्डर ने हर फ्लैट के साथ पार्किंग का वादा किया था। लेकिन सैकड़ों परिवारों को अभी तक पार्किंग नहीं मिली है।

सोसाइटी में कई तकनीकी खामियां भी हैं। बारिश में ओपन लॉबी से लिफ्ट शाफ्ट में पानी भर जाता है। इससे इलेक्ट्रॉनिक पैनल खराब होते हैं और दुर्घटना का खतरा रहता है। बच्चों के लिए न तो पार्क है और न ही हरियाली वाली जगह। पूरे प्रोजेक्ट में एक भी पेड़ नहीं लगाया गया है।

निवासियों ने पोडियम पर ग्रीन जोन विकसित करने की मांग की है। क्लब हाउस में कोई सुविधा नहीं दी गई है। निर्माण संबंधी समस्याओं की मरम्मत और रखरखाव में भी एनबीसीसी गंभीरता नहीं दिखा रही है। इसलिए डीएलपी को एक साल और बढ़ाने की मांग की गई है।

निवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर इन मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो विरोध प्रदर्शन और तेज किया जाएगा। यह मार्च रिवर व्यू सोसाइटी से गौर प्रोजेक्ट के मुख्य द्वार तक निकाला गया।

नोएडा में कुलपतियों का सम्मेलन आज से शुरू

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन आज से (सोमवार) शुरू होगा। सम्मेलन में भारत समेत 19 देशों के विश्वविद्यालय के कुलपति भी हिस्सा लेंगे। इसमें उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शिरकत करेंगी। इस संबंध में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी (एआईयू) के अध्यक्ष विनय कुमार पाठक ने बताया कि सोमवार को एआईयू के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं, इस मौके पर सेक्टर-125 एमिटी विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें 19 विदेशी समेत 1086 विश्वविद्यालयों के कुलपति एकत्रित होंगे, जो उच्च शिक्षा का भविष्य डिजिटलाइजेशन, नीतिगत सुधारों और समावेशिता पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

ग्रेटर नोएडा में 27वीं मंजिल से गिरे 2 युवक

बिल्डर साइट पर बिजली जाने से हुआ हादसा

जेवर। ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 25 में स्थित एक बिल्डर साइट पर 2 मजदूरों की मौत हो गई। मृतक गाजियाबाद के ढबारसी गांव के रहने वाले चचेरे भाई आमिर (19) और सुहेल (23) थे।

शनिवार की देर रात को दोनों 27वीं मंजिल पर अन्य मजदूरों के साथ काम कर रहे थे। अचानक बिजली चली गई और मंजिल पर अंधेरा हो गया। इसी दौरान पैर फिसलने से दोनों भाई नीचे गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन और भारतीय किसान यूनियन महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता भाटी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बिल्डर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव रखकर करीब 2 घंटे तक प्रदर्शन किया। बिल्डर द्वारा आर्थिक मदद और नौकरी का आश्वासन देने के बाद ही परिजनों ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की सहमति दी।

दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि अभी तक मृतक के परिजनों की तरफ से कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आम के दाम कम करने को कहा तो ग्राहक को पीटा

नोएडा। निठारी में फल विक्रेता और उसके साथियों ने आम के दाम कम करने के लिए कहने पर ग्राहक को लाठी और डंडे से बुरी तरह से पीटा। घायल का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। घायल ग्राहक की पत्नी ने सेक्टर-20 थाने में एक नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में निठारी निवासी रेखा रविदास ने बताया कि उनके घर के पास साजिद फल बेचता है। बीते दिनों रात साढ़े दस बजे के करीब रेखा के पति साजिद की दुकान पर गए और दो किलो आम देने को कहा।उन्होंने जब साजिद को आम के दाम कम करने को कहा तो वह गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर साजिद ने अपने तीन साथियों को भी बुला लिया। सभी ने मिलकर महिला के पति को लाठी और डंडे से पीटा। इसके बाद आरोपियों ने घायल को जान से मारने की धमकी भी दी। जब मारपीट हो रही थी तो आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। उन्हीं लोगों ने फल विक्रेता और उसके साथियों को मारपीट करने से रोका। घटना की जानकारी मिलने के बाद शिकायतकर्ता महिला अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंची और पति को नजदीक के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। पुलिस जल्द ही आरोपियों को दबोचने का दावा कर रही है।

किसानों में ट्रैक्टर-ट्रॉली चालान से नाराजगी

28 जुलाई को ग्रेटर नोएडा में जीरो पॉइंट पर देंगे धरना, मुआवजे की भी मांग

जेवर। ग्रेटर नोएडा के सलारपुर गांव में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की बैठक रविवार को हुई। बैठक राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रताप नागर के निवास पर आयोजित की गई।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्योराज सिंह ने प्रशासन पर किसानों के ट्रैक्टर ट्रॉली के अनावश्यक चालान करने का आरोप लगाया। इस मुद्दे पर 28 जुलाई को तीनों प्राधिकरणों और यातायात पुलिस के विरोध में जीरो पॉइंट पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। किसान नेताओं ने कहा कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सभी किसानों को प्राधिकरण के प्रत्येक जिले में पुश्तैनी माना जाए। उन्होंने कहा कि जिन किसानों को अतिरिक्त मुआवजा और विकसित भूखंड नहीं मिला है, उन्हें यह शीघ्र दिया जाए। साथ ही जिले में रहने वाले लोगों को घरौनी उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में सहदेव मलिक, प्रमोद शर्मा, विनोद चौधरी, रविन्द्र चौधरी, उदयभान मलिक, ओमदत्त चौहान, अरुण चौधरी, मोहित शर्मा, अहमद खां और नरसिंह पाल मीणा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के नोएडा महानगर अध्यक्ष बने चौधरी सुशील अवाना

गौतमबुद्धनगर। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश महामंत्री मीडिया प्रभारी चेनपाल प्रधान ने बताया हाजीपुर गांव के चौधरी सुशील अवाना को सभा का नोएडा महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी ऋषिपाल अवाना ने की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्री चंद्रवीर नागर जी विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री डी. एन. सिंह, प्रदेश के संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी, प्रदेश मंत्री प्रदीप तोंगड़, क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश कृष्णपाल गुर्जर, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अमरीश चपराना उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री चंद्रवीर नागर जी ने संगठन को मजबूत करते हुए नोएडा महानगर का चौधरी सुशील अवाना जी को अध्यक्ष नियुक्त किया एवं समाज की त्रुटियो पर संज्ञान डालते हुए समाज के युवाओं से अपील की हमेशा नशाखोरी से दूर रहने का आह्वान किया और शिक्षा पर जोर दे, प्रदेश अध्यक्ष जी ने कहा सरकार में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करें और समस्त राजनीतिक दलों को यह भी अवगत कराने का काम किया कि समाज के लोगों की अवहेलना संगठन बर्दाश्त नहीं करेगा, प्रदेश के संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी ने प्रकाश डालते हुए समाज में जन्मे महान पुरुषों के पद चिन्हों पर चलने के लिए युवाओं को प्रेरित करने का काम किया युवाओं से अपील की समाज में जन्मे धन सिंह कोतवाल गुर्जर जी जैसे महान योद्धा पैदा हुए उनके पद चिन्हों पर चलकर देश की सेवा करने का कार्य करें, प्रदेश के महामंत्री चेनपाल प्रधान ने समाज में जन्मी कुछ बुराइयों पर प्रकाश डालते हुए सभी समाज के नौजवान बुजुर्गों से आह्वान किया समाज से इन बुराइयों को समाप्त करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा, कार्यक्रम में उपस्थित भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी ने समाज और संगठन के साथ चलने का युवाओं से आह्वान किया और अपील की अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के साथ नोएडा का गुर्जर समाज हमेशा साथ रहेगा एवं जो समाज के युवा साथियों से और बुजुर्गों से यह अपील करते हुए संगठन को मजबूत करने की शपथ दिलाने का काम किया, सभा के क्षेत्रीय अध्यक्ष कृष्ण पाल गुर्जर ने समाज के सरदारों से यह अपील की समाज को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा अपने किसी भी प्रतिष्ठान किसी भी रूप में मदद करने का काम करें, समाज के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का काम करें, सभा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अमरीश चपराना ने भी अपने विचार व्यक्त किये, आज नोएडा महानगर के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष चौधरी सुशील अवाना ने महासभा के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए यह विश्वास दिलाया संगठन और समाज ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है मैं उसका ईमानदारी और निष्ठा भाव से संगठन और समाज को मजबूत करने का काम करूंगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री रिशिपाल अवाना ने सभा को आश्वस्त किया जो आपने सुशील अवाना को जिम्मेदारी दी है उस पर यह समाज संगठन को विश्वास दिलाता है की नोएडा में संगठन मजबूत करने का काम करेंगे। सभा में उपस्थित मेरठ जिले के जिला अध्यक्ष नरेंद्र भड़ाना एडवोकेट रघुराज अवाना पाला प्रधान ओमप्रकाश सुंदर बाबा ओमवीर नेताजी पदम नगर कुलदीप भाटी जॉनी भाटी राजीव अवाना नीरज चौधरी राहुल तंवर सुरेश कसाना नरेंद्र अंबावता संदीप बनाना अमित भड़ाना(रीलखा) रोहित कुमार विक्की बाईसोया मोहित अवाना मनोज दीवाना दीपक अवाना गजेंद्र चौधरी मांगेराम की नकुल सतपाल भाटी सतपाल अवाना सोनू भाटी ओम देव खारी सतवीर सिंह राजेंद्र धर्मवीर पहलवान ज्ञानेंद्र सोमेंद्र कसाना एवं सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित हुए।

यमुना सिटी में बनेंगे 9 नए पुलिस थाने, यीडा खुद करेगा निर्माण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में विकास परियोजनाओं और बढ़ती प्लॉटों की बिक्री को देखते हुए नौ नए थाने बनाने की तैयारी है। प्राधिकरण ने थानों का निर्माण स्वयं करने का फैसला लिया है। इस बारे में पुलिस विभाग से पत्राचार किया गया है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में नोएडा एयरपोर्ट, अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के अलावा कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं विकसित हो रही हैं। वहीं, आवासीय सेक्टरों में कई लोगों ने अपने मकान का निर्माण शुरू कर दिया है।

इसके अलावा कई ग्रुप हाउसिंग परियोजनाएं भी हैं, जहां पर लोग रह रहे हैं। शहर के सेक्टर- 25, 29, 18 और दयानतपुर गांव में कुल चार हजार वर्गमीटर में थाने, रन्हेरा गांव में 1000 वर्गमीटर में पुलिस चौकी, इसके अलावा सेक्टर-32 में 12770 वर्गमीटर में एंटी टेरेरिस्ट स्कवायड (एटीएस) यूपी और कमांडो ट्रेनिंग सेंटर है।

शहर में नया महिला थाना और साइबर अपराध पुलिस थाना प्रस्तावित है। इन सभी थानों के लिए वर्ष 2021 से 24 के बीच ही जमीन का आवंटन भी किया जा चुका है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। अब प्राधिकरण ने ही जरूरत के हिसाब से सेक्टरों में थानों का निर्माण कराने का निर्णय लिया है, इसे लेकर पुलिस कमिश्नरेट से पत्राचार किया गया है।

प्राधिकरण ने खुद निर्माण कराने का फैसला लिया

यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह का कहना है कि क्षेत्र में नया शहर आकार ले रहा है। यहां रोजाना देश-विदेश से प्रतिनिधिमंडल जमीन की तलाश और निवेश के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में उद्यमियों और निवासियों की सुरक्षा जरूरी है।

इस कारण प्राधिकरण ने थानों का निर्माण स्वयं करने का फैसला लिया है।

पहले पुलिस विभाग को निर्माण करना था

प्राधिकरण ने इन थानों के प्रस्ताव को बोर्ड बैठक में मंजूर किया था। इन थानों के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी प्राधिकरण की थी, लेकिन भूमि पर थाने का निर्माण पुलिस विभाग को कराना था, लेकिन पुलिस विभाग की ओर से अब तक शहर में एक भी नए थाने की नींव नहीं रखी गई।

व्यापारियों ने वाणिज्यिक सेक्टर विकसित करने की मांग उठाई

नोएडा। नोएडा के व्यापारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्राधिकरण और प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें कारोबार के लिए उपयुक्त और मुकम्मल स्थान उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। शहर के तेजी से बढ़ते औद्योगिक और आवासीय सेक्टर की तरह वाणिज्यिक सेक्टर विकसित करने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि उनके लिए अलग से व्यापारिक सेक्टर की व्यवस्था नहीं होने से कारोबार में कई तरह की परेशानियां आ रही हैं। नोएडा के व्यापारी संगठन के सुरेंद्र गोयल का कहना है कि औद्योगिक सेक्टरों की तर्ज पर व्यापारियों के लिए भी अलग से व्यवस्थित व्यापारिक सेक्टर बनाए जाने चाहिए।

वर्तमान में अधिकांश व्यापारी किराए की दुकानों या अनियोजित क्षेत्रों में कारोबार करने को मजबूर हैं। इससे न केवल उनकी लागत बढ़ रही है, बल्कि ग्राहकों को भी असुविधा हो रही है। पार्किंग की कमी, ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित बाजारों की वजह से व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। व्यापारी मुकेश गोयल का कहना है कि नोएडा में औद्योगिक और आईटी सेक्टर को तो बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन व्यापारियों की अनदेखी हो रही है।

हमें एक ऐसा व्यापारिक सेक्टर चाहिए, जहां आधुनिक सुविधाएं, पर्याप्त पार्किंग और व्यवस्थित दुकानें हों। व्यापारियों का यह भी कहना है कि प्राधिकरण की ओर से आवंटित कुछ व्यापारिक भूखंडों की कीमतें इतनी अधिक हैं कि छोटे और मझोले व्यापारी उन्हें खरीदने में असमर्थ हैं। नोएडा के आर्थिक विकास में व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, बाजवूद इसके वर्षों से यहां के व्यापारी वर्गों के हितों की अनदेखी की जा रही है।

जानलेवा हमले के आरोप में चार नामजद

रबूपुरा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मामूली विवाद को लेकर चार लोगों ने एक व्यक्ति पर लाठी-डडों और लोहे के कड़े से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। रबूपुरा पुलिस के मुताबिक गौर यमुना सिटी सोसाइटी निवासी प्रतीक राज सिंह का पड़ोसी खुशीन शर्मा के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि इसी के चलते खुशीन शर्मा ने अपने साथी नरसिंह भाटी, सौरभ और अनुराग को बुला लिया और प्रतीक राज के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी।विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और हाथ में पहनने वाले लोहे के कड़े से पीड़ित पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में पीड़ित का सिर फट गया और उन्हें शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आईं।

यूपीसीडा ने अंसल बिल्डर को आवंटित भूखंड का आवंटन निरस्त किया

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने अंसल बिल्डर को ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर साइट-सी में ग्रुप हाउसिंग परियोजना के लिए आवंटित भूखंड का आवंटन निरस्त कर दिया। आवंटन के 17 साल बाद भी निर्माण न करने और प्राधिकरण की अनुमति के बिना एक अन्य बिल्डर को भूखंड बेचने पर यह कार्रवाई की गई। यूपीसीडा के अधिकारी के मुताबिक वर्ष 2007-8 में अंसल बिल्डर को ग्रुप हाउसिंग परियोजना के लिए सूरजपुर साइट-सी में 21 हजार वर्गमीटर का एक भूखंड आवंटित किया गया था। यहां पर फ्लैट और विला का निर्माण किया जाना था। बिल्डर द्वारा आवंटन राशि का भुगतान तो कर दिया गया था, लेकिन लीजडीड (पट्टा) की शर्तों के अनुसार निर्धारित समयावधि के दौरान निर्माण शुरू नहीं किया। सामान्यत : सात सालों में परियोजना पूरी करनी होती है। यूपीसीडा द्वारा नोटिस के बाद भी बिल्डर द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। अधिकारी के मुताबिक इस परियोजना में पांच हजार से अधिक ब्रोशर बेच गए थे। निर्माण कार्य में देरी के साथ ही लीजडीड की अन्य शर्तों का उल्लंघन किया गया। इस बीच यूपीसीडा के अधिकारियों को पता चला कि अंसल बिल्डर ने आवंटित उक्त भूखंड एक अन्य बिल्डर को बेच दिया है और उसने बिना अनुमति के निर्माण भी शुरू कर दिया गया है। जांच करने पर मामला सही पाया गया।

निर्माण कार्य शुरू करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से अनुमति नहीं ली थी। इस पर संज्ञान लेते हुए यूपीसीडा के उच्चाधिकारियों ने अंसल बिल्डर को आवंटित 21 हजार वर्गमीटर का भूखंड निरस्त कर दिया है। यह कार्रवाई बीते 11 जून को की गई।

लीजडीड की शर्तों का उल्लंघन करने और बिना अनुमति के आवंटित भूखंड मिग्सन बिल्डर को बेचने पर अंसल बिल्डर को वर्ष 2007-8 में आवंटित किए गए भूखंड का आवंटन निरस्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई 11 जून को की गई। बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा था। अंसल बिल्डर को ग्रुप हाउसिंग परियोजना के लिए 21 हजार वर्गमीटर जमीन आवंटित की गई थी।

अनिल कुमार शर्मा, क्षेत्रीय प्रबंधक, यूपीसीडा

शार्ट न्यूज

ट्यूशन से लौट रही बच्ची से रेप की कोशिश

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। भाईपुर ब्राह्मण गांव में 7 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। घटना उस समय हुई जब बच्ची ट्यूशन से अपने घर लौट रही थी। गांव का ही एक युवक अंकित उसे खेत में ले गया। शुरुआत में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर जांच शुरू की। जांच में आरोपी अंकित को दोषी पाया गया। रविवार को पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। रबूपुरा कोतवाली पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

जेवर में बना नया कन्या डिग्री कॉलेज

जेवर। जेवर बांगर में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत 10 करोड़ रुपए की लागत से नया राजकीय कन्या महाविद्यालय तैयार हो गया है। इस कॉलेज की आधारशिला उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने 7 दिसंबर 2019 को रखी थी। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने रविवार को महाविद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभाग को जलापूर्ति और पेड़-पौधों के रखरखाव के लिए निर्देश दिए। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग से शैक्षणिक कार्य जल्द शुरू करने को कहा। विधायक ने बताया कि इस कॉलेज की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को उच्च शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराना है। आजादी के बाद से इस क्षेत्र की बच्चियां उच्च शिक्षा से वंचित रही हैं। कॉलेज को इसी सत्र से शुरू करने के लिए विभाग और मुख्यमंत्री से चर्चा की जा चुकी है।

तीन सरकारी अस्पतालों में डिप्लोमा की 14 नई सीट

नोएडा। शहर के तीन सरकारी अस्पतालों में डीएनबी और पीजी कोर्स की 14 नई सीटों पर इस सत्र से दाखिले होंगे। अब कुल सीटों की संख्या 30 से अधिक हो जाएगी। जिला अस्पताल में स्त्री रोग और इंटरनल मेडिसिन में चार सीट बढ़ेंगी। वहीं ईएसआईसी अस्पताल में पहले के मुकाबले छह सीटें अधिक होंगी। वहीं, बाल चिकित्सालय में डिप्लोमा कोर्स के लिए चार नई सीटों पर दाखिला होगा। जिला अस्पताल में सभी सीटें डिप्लोमैट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) की होंगी। वहीं, बाल चिकित्सालय और ईएसआईसी अस्पताल में डीएनबी और पीजी कोर्स दोनों में दाखिले होंगे। नीट पीजी परीक्षा में सफल छात्र इन दोनों कोर्स में दाखिला ले सकेंगे।इन तीनों अस्पतालों में पहले से भी डीएनबी और पीजी कोर्सों का संचालन हो रहा है। जिला अस्पताल में डीएनबी कोर्स के लिए अलग से प्रशासनिक व्यवस्था की गई है, जिसमें लाइब्रेरी सहित कई सुविधाएं हैं। यहां पिछले साल से मेडिकल की पढ़ाई शुरू की गई है। ईएसआईसी में 50 सीट पर एमबीबीएस कोर्स शुरू होगा सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में इसी सत्र से 50 सीट पर एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू होगी। इसके लिए सभी सुविधाएं जुटाने की तैयारी चल रही है।

अवकाश के दिन कटौती होने से लोगों की परेशानी बढ़ी

नोएडा। गर्मी और बिजली कटौती ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। रविवार को भी कई सेक्टरों में लोगों को तीन से चार घंटे की बिजली कटौती झेलनी पड़ी। शनिवार देर रात को सेक्टर-52 के बिजली उपकेंद्र में तकनीकी खराबी के कारण चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, रविवार को भी सेक्टर-18 समेत कई अन्य सेक्टरों में बिजली आपूर्ति में व्यवधान की शिकायतें मिलीं, जिसने लोगों का सब्र टूट गया और उन्होंने हेल्पलाइन नंबर 1912 समेत सोशल मीडिया पर भी शिकायतें दर्ज कराई। दरअसल, शनिवार रात करीब 11 बजे सेक्टर 52 के उपकेंद्र में खराबी आ गई।जिसके चलते आसपास के सेक्टरों में अंधेरा छा गया। गर्मी में सेक्टर-70, 71, 73,75 और सेक्टर-76 इलाकों में आधी रात तक बिजली गुल रही। गर्मी के मौसम में बिना बिजली के लोग की परेशानी बढ़ गई। सेक्टर-71 निवासी बृजेश गुर्जर का कहना है कि बिजली विभाग की ओर से कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई, जिससे सेक्टर के लोग आधी रात तक परेशान रहे।

दिनदहाड़े चाकू लेकर घूमते दिखा युवक

गाजियाबाद। गाजियाबाद के प्रताप विहार क्षेत्र में एक युवक ने दिन के उजाले में चाकू लेकर सड़कों पर घूमने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह घटना विजय नगर थाना क्षेत्र की है। वायरल वीडियो में युवक सार्वजनिक स्थान पर खुलेआम चाकू लहराता हुआ दिख रहा है। घटनास्थल के आसपास रिहायशी इलाका है। इस घटना से स्थानीय निवासियों में भय का माहौल है। विजय नगर थाना क्षेत्र में पिछले कुछ समय से अपराधिक गतिविधियां बढ़ी हैं। यहां चोरी, लूट और फायरिंग की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही हैं। पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की जा रही है। स्थानीय निवासियों ने शहर की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

रेड लाइट पर खड़े बाइक सवारों को बस ने रौंदा

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना सिहानीगेट क्षेत्र में मुकुंद लाल स्कूल के पास एक सड़क हादसा हुआ। रेड लाइट पर खड़ी दो बाइकें तेज रफ्तार बस की चपेट में आ गईं। हादसे में चार लोग घायल हुए हैं। घायलों में ओमवीर सिंह (40), उनकी पत्नी मीरा देवी (36), जसवंत सिंह (35) और अजय गुप्ता (30) शामिल हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि बस चालक ने न तो ब्रेक लगाए और न ही गाड़ी की रफ्तार कम की। दोनों बाइकें बस के नीचे आ गईं और सवार सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत बाहर निकाला। एम्बुलेंस से सभी को एमएमजी अस्पताल ले जाया गया। वहां सभी का इलाज चल रहा है। थाना सिहानीगेट पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद पहुंचे पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने रविवार को गाजियाबाद का दौरा किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ गौशालाओं की व्यवस्था और पशुपालन योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा- अखिलेश यादव के शासनकाल में कसाई को देखकर गाय कांपती थी, लेकिन योगी आदित्यनाथ की सरकार में अब गाय को देखकर कसाई कांपता है। उन्होंने यह भी कहा कि अखिलेश यादव को गाय के गोबर से बदबू आती है, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोबर चंदन की तरह और गौमूत्र गंगाजल जैसा प्रतीत होता है। धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गौवंश की देखभाल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य पशुधन विकास के साथ-साथ गाय के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। मंत्री ने किसानों से आग्रह किया कि वे गाय पालन को केवल धार्मिक दृष्टिकोण से न देखें।

गाजियाबाद में जलभराव से लोग परेशान

गाजियाबाद। गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार क्षेत्र में स्थित वार्ड नंबर 2 की गली नंबर 7 में पिछले 20 दिनों से जलभराव की समस्या से लोग परेशान हैं। गली में जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह से बंद है। इस कारण सड़कों पर गंदा पानी जमा है। स्थानीय निवासियों को रोजमर्रा के कामों के लिए गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को बीमारियों का खतरा सता रहा है। स्थानीय निवासी शिवम सिंह ने बताया कि न तो नाली की सफाई हो रही है और न ही पानी की निकासी की कोई व्यवस्था की गई है। स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। निवासियों ने स्थानीय पार्षद से कई बार शिकायत की है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों ने नगर निगम से इस समस्या का तुरंत समाधान करने की मांग की है।

यूपी के 42 शहरों में बारिश

बिजनौर में हाईवे डूबा, बिजली से 6 मौत; आज 19 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

उत्तर प्रदेश। यूपी में मानसून जमकर बरस रहा है। लखनऊ समेत 42 शहरों में रविवार को कहीं तेज तो कहीं रुक-रुक बारिश होती रही। बिजनौर में इतनी बारिश हुई कि हाईवे डूब गया। गलियों में नदी जैसा बहाव रहा। बच्चे नहाते नजर आए। मंडी में सब्जियां बह गईं।

मुजफ्फरनगर में घर के बाहर खेल रहा मासूम नाले में बह गया। यहां बारिश से घुटनों तक पानी भर गया। झांसी में एक घंटे की बारिश में सड़कों पर 2 फीट तक पानी भर गया। पुनावली चैकडेम ओवरफ्लो हो गया। यहां रक्सा गांव में सुनहरे रंग के 100-150 मेंढक नजर आए। स्थानीय मान्यता है कि सुनहरे रंग के मेंढक दिखते हैं तो अच्छी बारिश होती है।

आगरा में चंबल नदी से मगरमच्छ निकलकर गांव पहुंच गया। ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी तो सहम गए। वन विभाग सूचना को दी। वन विभाग ने मगरमच्छ को पकड़कर चंबल नदी

में छोड़ा। पीलीभीत में पुल का एक हिस्सा नहर में समा गया। आसपास के लोगों की सूचना पर सिंचाई विभाग की टीम मौके पर पहुंची। राहत-बचाव शुरू किया।

चित्रकूट में बरदहा नदी के पानी में कच्ची सड़क बह गई, जिससे कई गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट गया। हरदोई में बारिश के पानी में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। वहीं, बिजली गिरने से बलिया में ज्वेलर समेत 3, देवरिया-बलिया और मुरादाबाद में एक-एक की मौत हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक, 24 घंटे में प्रदेश 5 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई। यह औसत 3.9 मिमी के अनुमान से 29 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, 1 जून से अब तक प्रदेश में 55.6 मिमी बारिश हो चुकी, जो कि सामान्य 49.6 मिमी से 12 प्रतिशत अधिक है।

सोमवार को 19 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इनमें बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत शामिल हैं।

इन जिलों में 23 जून को बारिश का अलर्ट

प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर के आसपास इलाकों में बारिश की संभावना है। बिजली भी गिर सकती है।

पावर कार्पोरेशन के रिटायर अफसर के घर 21.5 लाख चोरी

रिटायर अफसर बंगलुरू और पत्नी बेटे के यहां रहने गई थी, केस दर्ज

कानपुर। कानपुर के किदवईनगर में पॉवर कॉर्पोरेशन के रिटायर्ड ऑडिट अफसर के बंद मकान से चोरों ने 21.5 लाख की चोरी की। जिसमें 1.5 लाख रुपए नगदी बाकी के जेवरात शामिल है। घटना के वक्त रिटायर अफसर अपनी नातिन को छोड़ने बंगलुरू गए थे। जबकि उनकी पत्नी अस्वस्थ होने पर शताब्दी नगर में रहने वाले बेटे के घर गई थीं। 19 जून को घर लौटीं तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज जांच शुरू कर दी है।

पति पत्नी दोनों बिजली विभाग में कार्यरत रहे हैं

साइड नंबर वन स्थित डबल स्टोरी कॉलोनी के प्रथम तल पर रहने वाले राज कुमार चतुर्वेदी उत्तर प्रदेश कॉर्पोरेशन के ऑडिट अफसर पद से रिटायर हैं। पत्नी रजनी भी केस्को में कार्यरत रही हैं। बेटा शोभित एक एफएमसीजी कंपनी में काम करने के चलते परिवार के साथ शताब्दी नगर पनकी में रहता है।

राज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि उनकी नातिन मुस्कान की बंगलुरू में पहली नौकरी लगी है, इसके चलते वह उसे बीती 28 मई को छोड़ने साथ गए थे। घर पर पत्नी थीं। 2 जून को रजनी की तबियत कुछ नासाज हुई तो वह पनकी में रहने वाले बेटे के घर चली गईं।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

इधर 19 जून को पत्नी घर आईं, अंदर दाखिल हुईं तो कमरों और अलमारियों के ताले टूटे हुए थे, जबकि अंदर रखी करीब डेढ़ लाख रुपये की नगदी व 20.5 लाख रुपये से अधिक के जेवर गायब थे। इसपर पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना का मुआयना करने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर ली। किदवईनगर इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

पीलीभीत से लापता तीन नाबालिग बच्चे सकुशल बरामद

15 जून से घर से थे लापता, पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई

पीलीभीत। पीलीभीत के बीसलपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने तीन लापता नाबालिग बच्चों को महज 24 घंटे के भीतर बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया। इस कार्रवाई से जहां परिजनों ने राहत की सांस ली। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की खुले दिल से सराहना की।

घटना ग्राम नगीपुर अखौला मझरा मझिगवां की है। 21 जून को रामदीन पुत्र नत्थूलाल और नन्ही देवी पत्नी भूपराम ने बीसलपुर थाने में सूचना दी कि उनके बच्चों में धर्मपाल (10 वर्ष), मोहित (12 वर्ष), श्रीकृष्ण (13 वर्ष) बीते 15 जून से घर से लापता थे। पुलिस ने इस सूचना पर मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू की।

प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला के नेतृत्व में उपनिरीक्षक हशमत अली और कॉन्स्टेबल रविंद्र वर्मा की टीम ने आसपास के गांवों और थाना क्षेत्र के प्रमुख स्थलों पर गहन छानबीन की। अथक प्रयासों के बाद 22 जून को तीनों बच्चों को बीसलपुर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे फाटक से सकुशल बरामद कर लिया गया।

लखनऊ में रोडरेज में मारपीट

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के सिसेंडी में सड़क पर गाड़ी चलाने को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। उन्नाव के लंगड़ा खेड़ा निवासी आकाश ने पुलिस को बताया कि वह अपनी गाड़ी से सिसेंडी बाजार से गुजर रहे थे। इस दौरान तीन गाड़ियों के सवार लोगों ने जिगजैग तरीके से गाड़ी चलाते आए। उनकी गाड़ी के बगल से निकलने की कोशिश की। आकाश बाल-बाल बचे। जब उन्होंने उनकी तरफ देखा, तो उन लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने आकाश को गालियां दी और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना में बीच-बचाव करने आए प्रदीप गुप्ता के साथ भी मारपीट की गई।

एसपी ने दो निरीक्षक आठ उप निरीक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र से किया इधर से उधर

ललितपुर। अपराधियों पर नियंत्रण व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक ने रविवार को दो निरीक्षक आठ उपनिरीक्षकों के कार्य क्षेत्र को बदल दिया।

पुलिस मीडिया सेल द्वारा जारी सूची के अनुसार निरीक्षक विनोद मिश्रा थाना प्रभारी महरौनी से थाना प्रभारी पाली निरीक्षक राजा दिनेश सिंह थाना प्रभारी बार से थाना प्रभारी महरौनी उ.नि. अजमेर सिंह पुलिस लाइन से थानाध्यक्ष बार उ0नि0 कुलदीप राणा - चौकी इंचार्ज बांसी से चौकी इंचार्ज कैलगुआ उ.नि. संजीव धामा थाना

कोतवाली से चौकी इंचार्ज चिकलौआ उ.नि. महाराज सिंह थाना बानपुर से चौकी इंचार्ज अमझरा घाटी उ.नि. अभिषेक पवार थाना तालबेहट से चौकी इंचार्ज बांसी उ.नि. दिनेश कुमार त्रिपाठी चौकी इंचार्ज चिकलौआ से थाना मड़ावरा उ.नि. संत किशोर शुक्ला चौकी इंचार्ज कैलगुआ से थाना मड़ावरा उ.नि. मूलचन्द्र पुलिस लाइन से थाना जखौरा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक का यह निर्णय जिले में सुरक्षा स्थिति को बेहतर बनाने और प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सभी नए पदस्थापित अधिकारियों को उनके नए कार्यक्षेत्र में तेजी से काम करने की अपेक्षा की गई है, जिससे कानून-व्यवस्था में सुधार हो सके।

कनक जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित पर्यावरण जागरूकता संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण पर हुई चर्चा

पहलवान गुरूदीन प्रशिक्षण महाविद्यालय में योगाभ्यास कर मनाया गया योग दिवस

ललितपुर। विश्व पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम 2025' अभियान गतिविधियों के अंतर्गत विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली, कनक जन कल्याण समिति ललितपुर एवं पहलवान गुरूदीन प्रशिक्षण महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में वैश्विक थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है पर पहलवान गुरूदीन प्रशिक्षण महाविद्यालय में 21 जून को पर्यावरण जागरूकता संगोष्ठी, निबंध/भाषण/क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आयोजन पहलवान गुरुदीन प्रशिक्षण

महाविद्यालय के डा भीमराव अंबेडकर सभागार में कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति (नमामि गंगे) केतन दुबे, कनक जनकल्याण समिति के अध्यक्ष जयेश बादल, पहलवान गुरूदीन प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 महेश कुमार झा, योग प्रशिक्षक/योग गुरू अर्पित शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य विषय प्लास्टिक प्रदूषण और इसके पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों पर केंद्रित रहा। संगोष्ठी में वक्ताओं ने बताया कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक मानव स्वास्थ्य, जल स्रोतों, मिट्टी की उर्वरता और जैव विविधता के लिए अत्यंत हानिकारक है। इस दौरान प्रतिभागियों को पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि किस प्रकार दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव कर हम प्लास्टिक पर निर्भरता को कम कर सकते हैं। जैसे कपड़े या जूट के थैलों का प्रयोग, पुन: उपयोग योग्य वस्तुओं को प्राथमिकता देना तथा प्लास्टिक कचरे का उचित निपटान इत्यादि।

सपा नेता की 48 बीघा जमीन पर चला बुलडोजर

अवैध कॉलोनी की नींव और सड़कें तोड़ीं, एसडीएम बोले- ऐसी 70-80 अवैध प्लाटिंग

संभल। संभल के चंदौसी में प्रशासन ने अवैध कॉलोनी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जारई रोड स्थित चंदन नगर कॉलोनी में सपा नेता शानू वारसी की 48 बीघा जमीन पर बनाई जा रही अवैध कॉलोनी को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। एसडीएम विनय कुमार मिश्रा और तहसीलदार रवि सोनकर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। कॉलोनी का लेआउट प्लान पास नहीं था। प्रशासन ने वहां बनाई गई नींव और सड़कों को जमींदोज कर दिया। जांच में सामने आया है कि इस अवैध प्लाटिंग में सपा नेता के अलावा कई अन्य लोग भी शामिल हैं। प्रशासन इन सभी की पहचान कर रहा है। एसडीएम ने बताया कि चंदौसी शहर के आसपास ऐसी 70-80 अवैध कॉलोनियां हैं। कॉलोनाइजर 3-4 बीघा जमीन का नक्शा पास कराते हैं। फिर उसकी आड़ में 40-50 बीघा जमीन पर प्लाटिंग करते हैं। प्रशासन ने लोगों को अनधिकृत व्यक्तियों से प्लॉट या मकान न खरीदने की चेतावनी दी है। ऐसी कॉलोनियों में न तो नक्शा पास होता है और न ही बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं।

श्रावस्ती में वन दरोगा का फंदे से लटकता मिला शव

श्रावस्ती। श्रावस्ती में रविवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में वन दरोगा का शव फंदे से लटकता मिला। पत्नी ने देखा तो चीख उठी। शोर सुनकर गांववालों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली।

पहली पत्नी के मरने के बाद चल रहे केस और नौकरी के तनाव को लेकर आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है।

रविवार सुबह जब पत्नी सुधा देवी की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि वेद नारायण का शव फांसी के फंदे से लटक रहा था। यह दृश्य देखकर वे चीख पड़ीं। घर में कोहराम मच गया और थोड़ी ही देर में गांववालों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य भी इकट्ठा किए हैं।

वेद नारायण की पहली पत्नी की मौत भी संदिग्ध हालात में फंदे पर लटकी हुई मिली थी। पहली पत्नी के मायके (रामपुर पैड़ा, थाना गिलौला) से पिता बृजेंद्र पाठक ने वेद नारायण के खिलाफ केस दर्ज कराया था।पहली पत्नी से दो संतानें : बेटी अंशिका (19) और बेटा अभिषेक (17) हैं।

सहारनपुर में लिंक भेजकर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी

ठग महिला ने खुद को विप्रो कंपनी का कर्मचारी बताकर ठगे 5.18 लाख

सहारनपुर। सहारनपुर में साइबर ठग एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। जनकपुरी थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुरम कॉलोनी निवासी विभोर शर्मा से लिंक भेजकर ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का झांसा देकर 5.18 लाख रुपए की ठगी की गई। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मोबाइल नंबर व भेजे गए लिंक की जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित विभोर शर्मा ने बताया कि कुछ दिन पूर्व उनके वॉट्सऐप पर एक अनजान नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाली महिला ने खुद को विप्रो कंपनी की कर्मचारी बताया और निवेश का प्रस्ताव दिया। इसके बाद उस

महिला ने एक अन्य युवक अभिषेक गुप्ता का मोबाइल नंबर साझा किया, जिसे शेयर मार्केट का विशेषज्ञ बताया गया।

बातचीत के दौरान अभिषेक गुप्ता ने विभोर शर्मा को एक लिंक भेजा, जिसका नाम एसडब्ल्यू ऑब्रे था। इस लिंक पर क्लिक करने के बाद अभिषेक ने खाता खोलने और ट्रेडिंग शुरू करने का सुझाव दिया। अभिषेक ने दावा किया कि इस ट्रेडिंग से मोटा मुनाफा होगा। भरोसा होने पर विभोर ने पहले 10,002 रुपए, फिर 12,825 रुपए की दूसरी किस्त भेजी।

इसके बाद अभिषेक के कहने पर विभोर ने 50,004 रुपए, फिर 2,40,023 रुपए, 1500 रुपए, और 13,500 रुपए की अन्य किस्तें भेजीं। ठगी यहीं नहीं रुकी, विभोर ने अपने अरबन कोऑपरेटिव बैंक के खाते से भी 2,03,530 रुपए आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए। इस तरह कुल 5,18,560 रुपए की ठगी हो गई। पैसे कटने के बाद जब विभोर को मुनाफा नहीं मिला और अभिषेक गुप्ता व महिला का संपर्क टूट गया, तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने तुरंत ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच साइबर क्राइम थाना पुलिस कर रही है। पुलिस ने ठगों द्वारा इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर और लिंक की तकनीकी जांच शुरू कर दी है।

साइबर क्राइम थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक या कॉल पर भरोसा न करें। यदि कोई निवेश या कमाई का लालच दे रहा है, तो पहले उसकी पूरी जांच-पड़ताल करें। बैंकिंग डिटेल्स या यूपीआई ट्रांजैक्शन करने से पहले सतर्क रहें।

लखनऊ के चौपटिया इलाके में 33 केवी लाइन में फॉल्ट

पेड़ गिरने से हजरतगंज की बिजली गुल, 50 हजार उपभोक्ता हुए परेशान

लखनऊ। लखनऊ के चौपटिया क्षेत्र में 33 केवी लाइन में तकनीकी फॉल्ट आने से सुबह 11 बजे से लेकर शाम 6: 30 बजे तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बाधित रही। भीषण गर्मी में बिजली की लंबी कटौती ने क्षेत्र के लोगों को परेशान कर दिया। स्थानीय निवासियों ने बिजली विभाग से बार-बार संपर्क किया, लेकिन मरम्मत कार्य में घंटों का समय लग गया। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फॉल्ट काफी बड़ा था, जिसकी वजह से उसे ठीक करने में समय लग गया। शाम तक बिजली बहाल कर दी गई, लेकिन इस दौरान लोगों को पेयजल, कूलिंग और घरेलू कार्यों में काफी दिक्कतें हुईं। इसी बीच शहर के हजरतगंज जोन 1 के गोखले मार्ग पर एक बड़ा पेड़ अचानक बिजली के खंभे पर गिर पड़ा।

धर्मांतरण मामले में पास्टर समेत 5 लोग गिरफ्तार

जौनपुर। जौनपुर के महराजगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने धर्मांतरण कराने के आरोप में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार पांडेय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। घटना रविवार शाम की है। राकेश सिंह की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। शिकायत में बताया गया कि ग्राम केवटली में कुछ लोग हिंदू धर्म की निंदा कर ईसाई धर्म में परिवर्तन करा रहे हैं। पुलिस ने पास्टर गुलाब चंद्र, सदीप कुमार, राम अनुज, राजेश कुमार और सुनील कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों के पास से 10 बाइबिल, 19 पॉकेट बुक, धर्म परिवर्तन से जुड़ी 74 पुस्तकें और 124 फोटो वाला एक एल्बम बरामद हुआ है।

शार्ट न्यूज

प्रोजेक्ट नई किरण ने 02 परिवार का कराया पुनर्मिलन

ललितपुर। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रोजेक्ट नई किरण का आयोजन किया गया, जिसमें नई किरण के सदस्य द्वारा समझाने के बाद 02 परिवार में आपसी सुलह के आधार पर समझौता कराया गया। 02 परिवार खुशी - खुशी साथ -साथ रहने को तैयार हो गये एवं आपस में मिठाई खिलाकर रिस्तों की मिठास का दिया संदेश व 07 मामलों में अग्रिम तिथि दी गई। नई किरण प्रोजेक्ट से जनपद में बिखरे हुए परिवारों को जोडकर उनके दाम्पत्य जीवन में एक नई रोशनी आयेगी, नई किरण प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बिखरे परिवार को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है । इस पुनीत कार्य में नई किरण प्रोजेक्ट के सदस्य अजय बरया नई किरण में महिला थानाध्यक्ष स्वाति शुक्ला, महिला आरक्षी नीलम , महिला आरक्षी आराधना आदि का विशेष सहयोग रहा।

अलीगढ़ में चलती कार बनी आग का गोला

अलीगढ़। अलीगढ़ के हरदुआगंज थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक डीजल कार आग का गोला बन गई। कार के बोनट से पहले धुंआ निकलना शुरू हुआ और फिर अचानक से आग की लपटों से पूरी कार जल उठी। घटना के समय कार में पिता-पुत्र सवार थे। उन्होंने कार से दूर हटकर जैसे-तैसे अपनी जान बचाई। आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और तत्काल आग पर काबू पाया। गाड़ी स्वामी ने बताया कि उनकी कार 5 साल पुरानी है। हरदुआगंज के गांव नगला मई के प्रधान नरेंद्र सिंह के छोटे भाई सत्येंद्र सिंह रामघाट रोड पर पीएसी के पास रहते हैं। उनकी शंकर विहार कालोनी में बैटरी की दुकान है। रविवार को वह अपने छोटे बेटे पिंकुल के साथ गांव अपने पिता से मिलने के लिए गए थे। गांव में पिता से मिलने के बाद सत्येंद्र शहर वापस लौट रहे थे। वापस लौटने के समय वह अपने गांव से रामघाट रोड पर मुड़े थे कि उन्हें बोनट से धुंआ निकलता नजर आया। जिसके बाद सत्येंद्र ने गाड़ी रोकी और बोनट खोलकर चेक करना चाहा।

गोरखपुर में मॉल की पार्किंग से बुलेट चोरी

गोरखपुर। गोरखपुर में शाही मार्केट के पास स्थित एक मॉल की पार्किंग से बुलेट चोरी हो गई। बड़ी बात यह कि सराफा व्यापारी को बुलेट जमा करते समय मिली पर्ची उन्हीं के जेब में ही थी, फिर भी चोर बुलेट लेकर चला गया। इसके पीछे उन्होंने सिक्योरिटी कंपनी की साजिश बताया है। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। शनिवार को कैंट पुलिस ने अज्ञात चोर के साथ ही सिक्योरिटी कंपनी के जिम्मेदारों को भी आरोपी बनाते हुए केस दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दरअसल, राजघाट के बसंतपुर निवासी और सराफा व्यापारी महेश वर्मा ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 16 जून को वह शाही मार्केट के पास एक मॉल में फिल्म देखने गए थे। शो टाइम शाम 4: 30 पर था। वह 4: 15 पर पहुंचे और बेसमेंट पार्किंग में पर्ची काटा करके बाइक खड़ी कर दिए। शाम 7 बजे जब अपनी बुलेट लेने गए तो बुलेट अपने जगह से गायब थी। नीचे ऊपर खोजने के बाद पार्किंग के मैनेजर से संपर्क किया और सीसीटीवी कैमरे को देखने के बाद पता चला की बाइक चोरी हो गई।

लखनऊ में करंट लगने से युवक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा इलाके में खेत के किनारे लगे बाड़ से करंट की चपेट में आकर बोरिंग कारीगर की मौत हो गई। मालिक ने जानवरों से खेत बचाने के लिए किनारे तार लगाकर बिजली तार लगा रखा था। परिजनों ने दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गुडंबा के दसौली निवासी काशीराम (35) बोरिंग कारीगर थे। सादू राजेश ने बताया ठेकेदार आरिफ और आसिफ के साथ शनिवार सुबह काशीराम सबमर्सिबल की बोरिंग करने बेहटा गए थे। बोरिंग करने के दौरान काशीराम शौच के लिए पास में ही स्थित खेत में चले गए। काशीराम जहां शौच के लिए गए वहां पर किनारे की तरफ बाड़ लगे थे। जिसमें करंट की सप्लाई थी। जिसकी चपेट में आने से काशीराम को करंट लग गया। ठेकेदार ने परिवार को कॉल करके घटना की जानकारी देते हुए बताया कि काशीराम को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे हैं। परिवार वाले आनन-फानन में अस्पताल पहुंचे तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिवार में पत्नी कुमकुम व दो बेटियां और एक बेटा है।

सीतापुर में 6 साल की बच्ची से अश्लीलता

सीतापुर। सीतापुर के मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के कस्बे में एक युवक ने एक 6 वर्षीय बच्ची के साथ अश्लील हरकत की। मासूम ने परिजनों को आपबीती बताई। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।पीड़ित बच्ची की दादी ने कोतवाली मिश्रिख में तहरीर देते हुए बताया- पोती दोपहर 2.30 बजे पड़ोस में बच्चों के साथ खेलने गई थी। इस दौरान विपक्षी संजय पुत्र शत्रोहन ने मौका पाकर अन्य बच्चों को सामान लाने के बहाने भेज दिया।पीड़ित बच्ची को रोक लिया। इस दौरान संजय ने उसके साथ अश्लील हरकत की। जब बच्चे सामान लेकर आ गए, तो उसकी हरकत देकर बच्चों ने शोर मचाया तो आरोपी संजय फरार होने लगा, लेकिन बच्चों ने उसे पकड़ लिया। मोहल्ले के लोगों को इकट्ठा होते देख विपक्षी हाथ छुड़ाकर फरार हो गया। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर विपक्षी द्वारा किए गए जघन्य अपराध की जांच कर करवाई किए जाने की मांग की। कोतवाल अरविंद सिंह ने बताया कि जानकारी मिली है। पुलिस आरोपी को तलाश कर रही है।

हापुड़ में चलती कार में लगी आग

हापुड़। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में रविवार को एक चलती कार में अचानक आग लग गई। गढ़ कोतवाली क्षेत्र के गांव पोपाई के पास हाईवे पर हुई इस घटना में कार सवार सुरक्षित रहे। जैसे तैसे आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक कार पूरी जलकर राख हो गई। जानकारी के मुताबिक गांव पोपाई के पास एक कार गुजर रही थी। तभी कार में सवार चार लोगों ने उसमें धुआं उठता देखा तो तुरंत कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही क्षणों में कार में आग की लपटें उठने लगीं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दी गई। इससे आस-पास के यातायात में कोई अवरोध नहीं हुआ। इस हादसे में किसी के घायल न होने से ग्रामीणों और राहगीरों ने राहत की सांस ली। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच में कार में आग लगने का कारण तकनीकी खराबी माना जा रहा है।

जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां शुरू

लखनऊ। लखनऊ के राजाजीपुरम में श्री वैष्णो देवी सेवा संस्थान भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की तैयारियों में जुट गया है। रथ यात्रा संयोजक करुण कृष्ण दास ने संस्थान की बैठक में यात्रा की रूपरेखा प्रस्तुत की। यात्रा 2025 में अमर शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल पार्क, सेक्टर 12 से प्रारंभ होगी। यह सपना कॉलोनी, बाबा की बगिया और विभिन्न चौराहों से होते हुए श्री घंटेश्वर शनिदेव मंदिर पर समाप्त होगी। यात्रा शाम 5 बजे शुरू होकर लगभग 4 घंटे में पूरी होगी। भगवान को दोपहर में 221 प्रकार के भोग अर्पित किए जाएंगे। इनमें 108 व्यंजन, 56 मिठाइयां और 56 नमकीन शामिल हैं। भक्त अपने घरों में व्यंजन तैयार करेंगे। भगवान को विशेष वस्त्र और आभूषण भी पहनाए जाएंगे।इस वर्ष रथ यात्रा की थीम नशा निषेध रखी गई है। यात्रा के दौरान समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जाएगा। श्रीमद्भागवत गीता कक्षा के बच्चे भजन-कीर्तन प्रस्तुत करेंगे। मार्ग में श्रद्धालुओं के लिए स्वागत और जलपान की व्यवस्था होगी।

संक्षिप्त समाचार

ईरान-इस्राइल संघर्ष विराम के लिए यूरोप की पहल, फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने किया प्रस्ताव का खुलासा

पेरिस, एजेंसी। ईरान ैर इस्राइल के बीच संघर्ष विराम की कोशिशें शुरू हो गई हैं।

यूरोप के देशों द्वारा इसे लेकर एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस प्रस्ताव का खुलासा किया है, जिसके अनुसार, ईरान को यूरेनियम संवर्धन का काम रोकना होगा। साथ ही ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को रोकना होगा और पूरे पश्चिम एशिया में सक्रिय उग्रवादी संगठनों को भी अपना समर्थन देना बंद करना होगा। ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर किए हुए हैं और ईरान यूरेनियम संवर्धन को अपना अधिकार बताता है। ईरान का कहना है कि उसका यूरेनियम संवर्धन करना अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वैध है। लेकिन बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव और खासकर इस्राइल के ताजा हमलों के बाद ईरान पर परमाणु समझौता करने का दबाव बढ़ गया है।

यूके और उत्तरी यूरोप में गर्मी का अलर्ट

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन और फ्रांस के अधिकारियों ने इस सप्ताहांत बहुत गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उत्तरी यूरोप में यह साल की पहली गर्मी की लहर है। ब्रिटेन की मौसम एजेंसी मेट ऑफिस के अनुसार, इस हफ्ते मौसम पहले से ही बहुत गर्म है और शनिवार को पूर्वी इंग्लैंड में तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। यह इस मौसम के लिए आमतौर पर होने वाले तापमान से करीब 12 डिग्री ज्यादा है। फ्रांस में और ज्यादा गर्मी पड़ने की उम्मीद है। वहां के मौसम वैज्ञानिकों ने बताया है कि देश के पश्चिमी और दक्षिणी इलाकों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप खारिज

कुआलालंपुर, एजेंसी। मलयेशिया की एक अदालत ने शुक्रवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तीन आरोप हटा दिए। यह मामला सरकारी फंड एक एमबीडी (मलेशिया डेवलपमेंट बेरहद) से अरबों डॉलर की लूट से जुड़ा है। नजीब को पहले ही भ्रष्टाचार के एक मामले में 12 साल की सजा सुनाई जा चुकी है, जिसे 2024 में घटाकर 6 साल कर दिया गया था। नजीब पर आरोप था कि उनके बैंक खातों में 27 मिलियन रिंगित (6.3 मिलियन डॉलर) की अवैध राशि प्राप्त हुई थी। हालांकि, उनके वकील मुहम्मद शफी अब्दुल्ला ने बताया कि अभियोजन पक्ष की प्रक्रियात्मक देरी के कारण मामला छह साल तक लटका रहा और अदालत ने आरोप हटा दिए। अभियोजन पक्ष अदालत को यह नहीं बता सका कि वह मुकदमा कब शुरू करने के लिए तैयार होगा। वकील ने स्पष्ट किया कि आरोप हटाने का मतलब बरी होना नहीं है और अभियोजन पक्ष को भविष्य में फिर से आरोप लगाने का अधिकार सुरक्षित है। हालांकि, नजीब इस फैसले से खुश हैं और अब वह एक एमबीडी से जुड़े मुख्य मामले पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

पनामा में हिंसक प्रदर्शन के बाद सुरक्षा कानून अस्थायी निलंबित

पनामा, एजेंसी। पनामा सरकार ने शुक्रवार को उत्तर-पश्चिम के बोकास डेल टोरो प्रांत में अगले पांच दिनों के लिए कुछ सांविधानिक सुरक्षा अधिकारों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। इसका कारण वहां चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शन हैं, जो पिछले दो महीनों से हो रहे हैं और अब और भी उग्र हो गए हैं। राष्ट्रपति मंत्री जुआन कार्लोस ओरिलैक ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि सरकार कानून-व्यवस्था दोबारा स्थापित कर सके और उग्र समूहों से इलाके की रक्षा की जा सके।

हां मैं चिंतित हूं कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है: रूसी राष्ट्रपति पुतिन

मास्को, एजेंसी। दुनिया भर में चल रहे युद्धों को लेकर एक बात सभी की जुबान पर आती है कि क्या मानव सभ्यता तीसरे विश्व युद्ध की तरफ बढ़ रही है? सेंट पिट्सबर्ग में जब यह सवाल रूसी राष्ट्रपति से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दुनिया में संघर्ष की बहुत संभावना है और यह लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, इसलिए हां मैं चिंतित हूं कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। सेंट पीटर्सबर्ग में तमाम वैश्विक मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए पुतिन ने यूक्रेन में रूस के अपने युद्ध और इजरायल ईरान संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान में रूसी वैज्ञानिक दो नए परमाणु रिएक्टर केंद्र बना रहे हैं। ऐसे में ईरान के परमाणु केंद्रों के आसपास जो कुछ हो रहा है उससे वह बहुत ज्यादा चिंतित हैं। पुतिन ने कहा, यह बहुत परेशान करने वाला है। मैं बिना किसी मजाक या व्यंग्य के बोल रहा हूं। बेशक, दुनिया में संघर्ष की बहुत संभावना है.. और यह लगातार हमारी नाक के नीचे बढ़ रहा है और यह हमें सीधे तौर पर प्रभावित करता है। इसलिए.. यह जाहिर है कि यह घटनाओं पर हमें सावधानी पूर्वक ध्यान देने की जरूरत हैं और इसके साथ ही हमें इसका समाधान भी खोजना होगा।

पाकिस्तान में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण, जबरन कबूल करवाया इस्लाम, इंसाफ मांग रही मां

शाहदादपुर, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदुओं के साथ अत्याचार की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शाहदादपुर में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें जबरन इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। 22 वर्षीय जिया बाई, 20 वर्षीय दिया बाई और 16 वर्षीय दिशा बाई के अलावा, इन तीनों बहनों के 13 वर्षीय भाई हरजीत कुमार को किडनैप कर इस्लाम कबूल करवाया गया। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवस्थित उत्पीड़न पर सवाल उठाए हैं। बच्चों की मां न्याय के लिए भटक रही है।

क्या है पूरा मामला : रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना सिंध प्रांत के शाहदादपुर में हुई, जहां इन चारों भाई-बहनों को अगवा कर लिया गया। पीड़ितों की मां ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थानीय कंप्यूटर शिक्षक फरहान खासखेली पर बच्चों को बहकाने और अपहरण का आरोप लगाया। उन्होंने आंखों में आंसू लिए कहा, मेरे पास तीन बेटियां थीं, और फरहान ने उन सभी को ले लिया। मां ने विशेष रूप से अपने 13 वर्षीय बेटे की वापसी की गुहार लगाई, जिसके बारे में उनका कहना है कि वह इतनी छोटी उम्र में धर्म के बारे में समझने में सक्षम नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में इन बच्चों के तथाकथित धर्मांतरण को दर्शाया गया है, जिसे कई लोगों ने सांस्कृतिक आतंकवाद करार दिया है। हिंदू पंचायत के प्रमुख राजेश कुमार ने इस घटना को न केवल एक पारिवारिक त्रासदी बल्कि सामुदायिक आपदा बताया। उन्होंने पीड़ित बच्चों की तस्वीरें दिखाते हुए सवाल उठाया कि क्या ये बच्चे इतने परिपक्व हैं कि वे स्वेच्छा से धर्म बदलने का निर्णय ले सकें।

पुलिस की कार्रवाई और पाक मीडिया का दावा : पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, परिवार के विरोध के बाद पुलिस ने इन बच्चों को शाहदादपुर की एक अदालत में पेश किया। जहां दो बालिग लड़कियों को आश्रय गृह में भेजने का आदेश दिया गया तो वहीं एक नाबालिग लड़की और लड़के को मां-बाप को सौंप दिया। पाक मीडिया का दावा है कि इन चारों भाई-बहनों ने बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है। वहीं परिवार का कहना है कि पुलिस के दबाव में बच्चे डरे हुए हैं। माता-पिता के वकील ने अदालत में दलील दी कि पुलिस ने चारों को कराची से बरामद किया था, जहां पर उन्हें शाहदादपुर से अगवा कर जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया था। सभी की दलीलें सुनने के बाद, जज ने दो लड़कियों जिया बाई और दीया बाई को कराची के एक आश्रय गृह में रहने की अनुमति दे दी। दोनों लड़कियां मेडिकल छात्राएं हैं। इस बीच, अदालत ने आदेश दिया कि दो नाबालिगों 15 वर्षीय मैट्रिक छात्रा दिशा बाई और उसके 13 वर्षीय चचेरे भाई हरजीत कुमार को उनके माता-पिता को सौंप दिया जाए। लड़कियों के बयानों के आधार पर अदालत ने दो आरोपियों, जुल्फिकार खासखेली और फरहान को अपहरण के आरोपों से भी बरी कर दिया।

एक गहरी जड़ें जमा चुकी समस्या : यह घटना कोई अलग-थलग मामला नहीं है। सिंध और पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में हिंदू लड़कियों और हाल ही में लड़कों के अपहरण, बलात्कार, जबरन धर्मांतरण और उनके अपहरणकर्ताओं से विवाह की खबरें बार-बार सामने आती रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह धार्मिक अतिवाद, पितृसत्तात्मक मानसिकता और संस्थागत उदासीनता का परिणाम है। हिंदू समुदाय के लिए, विशेष रूप से सिंध में, अपहरण और जबरन धर्मांतरण का डर एक निरंतर छाया की तरह बना हुआ है। 2016 में सिंध प्रांतीय विधानसभा ने जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए एक विधेयक पारित करने की कोशिश की थी, लेकिन धार्मिक दलों के विरोध के कारण यह प्रभावी नहीं हो सका। इस तरह की घटनाओं से अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कानूनी संरक्षण की कमी उजागर होती है।

बंद होने के कगार पर अमेरिकी न्यूज चैनल वीओआई, ट्रंप प्रशासन ने 639 पत्रकारों को निकाला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की मशहूर और 83 साल पुरानी सरकारी न्यूज एजेंसी वॉयस ऑफ अमेरिका (वीओए) पूरी तरह से बंद होने के कगार पर है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने वॉयस ऑफ अमेरिका और उसे चलाने वाली यूएस एजेंसी फोर ग्लोबल मीडिया (यूएसएजीएम) के 639 कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस दिया गया।

इस साल मार्च से अब तक कुल 1,400 कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है, जो पूरी एजेंसी के 85त्न कर्मचारियों की संख्या है। ट्रंप प्रशासन की सलाहकार और एजेंसी की वरिष्ठ अधिकारी कारी लेक ने इसे बेहद जरूरी सुधार बताया और कहा कि सरकार अब इस फिजूलखर्च और जवाबदेही से दूर एजेंसी पर जनता का पैसा बर्बाद नहीं करेगी।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुई थी शुरुआत : बता दें कि वीओए की शुरुआत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी के लोगों को अमेरिकी लोकतंत्र की बातें बताने से हुई थी। समय के साथ यह नेटवर्क दर्जनों भाषाओं में उन देशों में समाचार पहुंचाता रहा, जहां स्वतंत्र प्रेस की परंपरा नहीं थी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि दुनिया भर में वीओए के प्रसारण की जगह कौन लेगा। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप समर्थक नेटवर्क वन अमेरिका न्यूज (ओएएन) ने अपना सिग्नल देने की पेशकश की है।

ईरानी सेवा के पत्रकारों के साथ सख्ती : मीडिया रिपोर्ट की माने तो वायस ऑफ अमेरिका की फारसी (पर्शियन) सेवा से जुड़े कुछ पत्रकारों को पिछले सप्ताह अचानक ड्यूटी पर बुलाया गया था, जब ईरान पर इस्राइल का हमला हुआ था। लेकिन शुक्रवार को जब उनमें से कुछ लोग ऑफिस से बाहर निकले, तो उनके पहचान पत्र जब्त कर लिए गए और उन्हें अंदर नहीं लौटने दिया गया। एक कर्मचारी ने डर के कारण ऑफिस छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्हें अंदेशा था कि उन्हें भी बाहर कर दिया जाएगा। हालांकि कि मामले में तीन वरिष्ठ महिला पत्रकार जेसिका जेरियाट, केट नीपर और पैटसी विडाकुसवारा ने ट्रंप सरकार के खिलाफ अदालत में केस दायर किया है।

न्यूयॉर्क का एक स्कूल बेहद खास, यहां 500 में से 30 बच्चे हैं जुड़वां

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक स्कूल बेहद खास है, जहां पढ़ने वाले 500 छात्रों में से 30 छात्र जुड़वां हैं। इस हफ्ते ये छात्र इस स्कूल से ग्रेजुएट हो जाएंगे। इनमें से कई तो बचपन से साथ ही पढ़ाई कर रहे हैं। इन छात्रों के माता-पिता भी एक दूसरे को अच्छे से जानते हैं। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में स्थित जॉन एफ कैनेडी हाई स्कूल के कई छात्र को नर्सरी स्कूलों से एक दूसरे को जानते हैं। इन जुड़वां युवाओं के माता-पिता भी एक जुड़वां क्लब के माध्यम से जुड़े हुए हैं और अक्सर मिलते रहते हैं। ऐसा नहीं है कि न्यूयॉर्क का ये हाई स्कूल ही इस मामले में खास है। पिछले साल बोस्टन के एक मिडिल स्कूल में 23 जोड़ी जुड़वां भाई-बहन पढ़ाई करते थे। इसी तरह इलिनोइस के विननेटका में न्यू ट्रायर हाई स्कूल में 2017 में 44 जुड़वां बच्चे थे। स्नातक होने के बाद अब ये जुड़वां भाई-बहन अलग-अलग कॉलेजों में जा रहे हैं। एक भाई-बहन ही हैं, जो दोनों फ्लोरिडा विश्वविद्यालय जा रहे हैं। जो अलग-अलग कॉलेजों में जा रहे हैं, वो अपने साथी से दूर रहने के बारे में आशंकित हैं। सिडनी और कायला जसर ने कहा कि वे दोनों फैशन डिजाइन की पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन विभिन्न कॉलेजों में। सिडनी डेलावेयर विश्वविद्यालय में भाग ले रही है जबकि कायला इंडियाना विश्वविद्यालय में पढ़ाई करेगी। कायला ने कहा, हम एक ही कॉलेज में जा सकते थे।

इजराइली हमले में ईरान के ड्रोन कमांडर की मौत, अब तक 12 अफसरों की हत्या

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 9वां दिन है। इस बीच इजराइल ने ईरान के ड्रोन कमांडर अमीन पोर जोदखी को हवाई हमले में मारने का दावा किया है। इससे पहले इजराइल ने 13 जून को ड्रोन यूनिट के चीफ ताहर फुर की हत्या कर दी थी। इसके बाद से जोदखी के पास ही ड्रोन यूनिट की जिम्मेदारी थी। इजराइल अब तक ईरान के 12 से ज्यादा सैन्य अफसरों की हत्या कर चुका है। इसमें ईरानी सेना के चीफ मोहम्मद बाघेरी, आईआरजीसी चीफ होसैन सलामी समेत कई और बड़े नाम हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे इजराइल को जंग रोकने के लिए नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई जीत रहा है तो उसे रोकना मुश्किल है। ईरान और इजराइल के बीच शनिवार को भी जंग जारी है। ईरान ने सुबह इजराइल में तेल अवीव समेत दूसरे शहरों पर मिसाइल हमला किया। इससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, इजराइल ने भी जवाबी हमला करते हुए ईरान में कोम, इस्फहान में मिसाइल हमले किए। इसमें 2 लोगों की मौत हुई है और 4 घायल हैं। बीते 8 दिनों में इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं ईरान में 657 लोगों की

मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। यह आंकड़ा वॉशिंगटन स्थित ईरानी ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दिया है।

इजराइल ने हमास को पैसा भेजने वाले ईरानी कमांडर को मारा इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बताया कि ईरान की कुद्स फोर्स में फिलिस्तीनी मामलों के प्रमुख सईद इजादी को इजराइली सेना ने ईरान के शहर कोम में एक अपार्टमेंट पर हमले में मार गिराया है। काट्ज ने कहा कि इजादी वही शख्स था जिसने 7 अक्टूबर 2023 हमले के लिए हमास को पैसा मुहैया कराया था। काट्ज ने इजादी के मारे जाने पर खुशी जताई और कहा कि इजराइल अपने दुश्मनों को कहीं से भी ढूंढ़ निकालने में काबिल है। काट्ज ने पुराने डॉक्यूमेंट का भी जिक्र किया जिसमें लिखा था कि 2021 में हमास नेताओं ने ईरानी सेना के एक बड़े अधिकारी को पत्र भेजकर इजराइल पर हमला करने के लिए 500 मिलियन डॉलर की मदद मांगी थी।

फ्लोरिडा में फाइबर ऑप्टिक लाइन कटने से कुछ समय के लिए रडार बंद, टला बड़ा हादसा; जांच जारी

फ्लोरिडा, एजेंसी। फ्लोरिडा में फाइबर ऑप्टिक लाइन कटने से कुछ समय के लिए रडार बंद हो गया। इससे एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को थोड़ी देर के लिए रडार की जानकारी मिलनी बंद हो गई। हालांकि, इस आउटेज की वजह से कोई खास दिक्कत नहीं हुई। यह घटना उस तरह की गंभीर नहीं थी, जैसी इस साल वसंत में न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर हुई थी। उस समय वहां का सिस्टम बंद हो गया था और कई उड़ानों में बड़ी देरी हुई थी। नियंत्रक दक्षिण-पूर्व में पांच राज्यों में विमानों को निर्देशित करना जारी रखने में सक्षम थे, क्योंकि एक बैकअप सिस्टम डिजाइन के अनुसार चालू हो गया था।

जैक्सनविले में रडार केंद्र चालू रहा : संघीय उड्डन प्रशासन ने बताया कि फ्लोरिडा में जो रडार केंद्र जैक्सनविले में है, वह चालू रहा। हालांकि, वहां अलर्ट की स्थिति रही क्योंकि उसकी मुख्य संचार लाइन कट गई थी। एक ठेकेदार शुक्रवार दोपहर उस फाइबर लाइन की मरम्मत कर रहा था। अधिकारियों ने यह नहीं बताया गया कि फाइबर लाइन कैसे और कहां कटी।

एफएए ने नहीं बताया- रडार कितनी देर तक बंद रहा : फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने यह भी नहीं बताया कि रडार कितनी देर तक बंद रहा। हालांकि, पहले जब फिलाडेल्फिया में इसी तरह का रडार बंद हुआ था, तब उसे दोबारा चालू होने में 90 सेकंड लगे थे। लेकिन उस समय न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर काफी परेशानी हुई थी। नेवार्क में सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं और कुछ कंट्रोलर्स ने काम से छुट्टी ले ली थी। तब से उस हवाई अड्डे पर परिचालन में काफी सुधार हुआ है। जैक्सनविले में बैकअप सिस्टम समय पर चालू हो गया एएफए के प्रवक्ता ने बताया कि इस बार जैक्सनविले में बैकअप सिस्टम समय पर चालू हो गया, इसलिए कोई जरूरी हवाई सेवा बंद नहीं हुई। यह केंद्र अमेरिका के पांच राज्यों- अलबामा, जॉर्जिया, फ्लोरिडा, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना के बड़े हिस्से में लगभग 160,000 वर्ग मील के हवाई क्षेत्र में उड़ने वाले विमानों को निर्देश देता है। न्यूर्क में समस्याओं के लिए पुराने तांबे के तारों की विफलता को जिम्मेदार ठहराया गया था, जिस पर देश का अधिकांश हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली अभी भी निर्भर है। परिवहन अधिकारियों ने कहा कि न्यूर्क की समस्याओं ने सिस्टम के बहु-मिलियन डॉलर के ओवरहाल की आवश्यकता को प्रदर्शित किया है, जिसे वे कांग्रेस से मंजूरी दिलाने के लिए पैरवी कर रहे हैं।

ट्रंप का दर्द छलका, कहा- कुछ भी करूं, नोबेल नहीं मिलेगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर अपनी इच्छा को सोशल मीडिया के माध्यम से जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने दुनिया में कई बड़े शांति प्रयास किए हैं, लेकिन फिर भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।

चाहे कुछ भी कर लूं, मुझे नहीं मिलेगा... ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि मैंने कांगो और रवांडा के बीच समझौता करवाया, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, सर्बिया और कोसोवो के बीच शांति लाई, मिस्र और इथियोपिया के बीच टकराव रोका और मिडिल ईस्ट में अब्राहम समझौते किए। फिर भी मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे लिखा कि अगर सब कुछ सही चला, तो अब्राहम समझौते में और देश भी जुड़ेंगे और मिडिल ईस्ट पहली बार एकजुट हो पाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि चाहे वो रूस-यूक्रेन या इस्राइल-ईरान जैसे बड़े मुद्दों को भी सुलझा लें, तब भी उन्हें यह पुरस्कार नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि मैंने क्या किया है और मेरे लिए वही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब नोबेल पुरस्कारों को लेकर वैश्विक बहस जारी है कि किसे और क्यों दिया जाता है।

ईरान के मुद्दे पर ट्रंप ने अपनी ही खुफिया एजेंसी को बताया गलत : वहीं दूसरी ओर

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु हथियार को लेकर उनकी खुफिया एजेंसी की जानकारी गलत है। पत्रकारों ने ट्रंप से इस पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि तो मेरी खुफिया एजेंसी गलत है। जब बताया गया कि ये बात तुलसी गबार्ड ने कही है, तो ट्रंप ने साफ कहा, वो गलत हैं। बता दें कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने मार्च में संसद में बताया था कि अमेरिका की एजेंसियों के मुताबिक ईरान ने अब तक परमाणु बम बनाने का कोई फैसला नहीं किया है। बता दें कि हाल ही में ट्रंप के साथ लंच करने व्हाइट हाउस गए पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भी ट्रंप को नोबेल दिए जाने का समर्थन किया था। इसी बीच पाकिस्तान ने औपचारिक रूप से भी ट्रंप को नामित कर दिया है, ऐसी खबरें सामने आई हैं।

लॉस एंजिलिस हिंसा के लिए जेडी वेंस ने डेमोक्रेट्स को ठहराया दोषी

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में संघीय आव्रजन विभाग के छापों को लेकर हुई हिंसा के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम और लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बास को दोषी ठहराया। इसके अलावा वेंस ने पहले लैटिन अमेरिकी सीनेटर एलेक्स पैडिला को जोस पैडिला कहा। जोस पैडिला राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के प्रशासन के दौरान अलकायदा आतंकवाद के एक दोषी साजिशकर्ता का नाम है। जिसे 20 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। सीनेटर जोस पैडिला को एक सप्ताह पहले अधिकारी जबरन जमीन पर ले गए थे और हथकड़ी लगाई थी। क्योंकि उन्होंने लॉस एंजिलिस में आव्रजन छापों पर होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम के एक समाचार सम्मेलन के दौरान अपनी बात रखी थी। वेंस ने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि जोस पैडिला यहां सवाल पूछने के लिए आएंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने इसलिए नहीं आने का फैसला किया क्योंकि वहां कोई थिएटर नहीं था। और बस यही बात है।वेंस ने कहा कि पैडिला अपने वामपंथी समूहों में वापस जाना चाहते हैं और कहना चाहते हैं, देखो, मैं सीमा प्रवर्तन के खिलाफ खड़ा हुआ था। मैं डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खड़ा हुआ था।

लॉस एंजिलिस के दौरे पर पहुंचे जेडी वेंस : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने लॉस एंजिलिस में मल्टीएजेंसी फेडरल जॉइंट ऑपरेशन सेंटर और मोबाइल कमांड सेंटर

का दौरा किया। ट्रंप ने वेंस को लॉस एंजिलिस ऐसे समय में भेजा है जब इस्राइल-ईरान युद्ध और इसमें अमेरिका की भावी भूमिका को लेकर उथल-पुथल मची हुई है। इससे साफ है कि ट्रंप अपनी कठोर आव्रजन नीतियों को राजनीतिक महत्व देते हैं। कैलिफोर्निया में जो हुआ वह त्रासदी थी संघीय आव्रजन प्रवर्तन कार्यालयों का दौरा करने के बाद वेंस ने कहा कि गैविन न्यूसम और कैरेन बास ने शहर को एक अभयारण्य शहर के रूप में मानते हुए मूल रूप से कहा है कि यह संघीय कानून प्रवर्तन के लिए खुला मौका है। यहां जो हुआ वह एक त्रासदी थी। आपके पास ऐसे लोग थे जो कानून लागू करने का सरल काम कर रहे थे और उनके पास गवर्नर और मेयर द्वारा उकसाए गए दंगाई थे, जिससे उनके लिए अपना काम करना मुश्किल हो गया। यह शर्मनाक है। और यही कारण है कि राष्ट्रपति ने इतनी जोरदार प्रतिक्रिया दी है।

न्यूसम और वास ने दिया जवाब : जेडी वेंस के बयान के बाद गवर्नर न्यूसम के प्रवक्ता इजी गार्डन ने कहा कि उपराष्ट्रपति का दावा पूरी तरह से झूठा है। गवर्नर ने लगातार हिंसा की निंदा की है और अपना रुख स्पष्ट किया है। वहीं मेयर करेन बास ने कहा कि वेंस झूठ और बकवास फैला रहे हैं। संघीय सरकार ने एक स्टंट पर करोड़ों डॉलर बर्बाद कर दिए। आपने यह कहने की हिम्मत कैसे की कि शहर के अधिकारी हिंसा को बढ़ावा देते हैं? हमने शांति बनाए रखी। वहीं सीनेटर पैडिला के प्रवक्ता टेस ओसवाल्ड ने कहा कि पैडिला और वेंस पहले सीनेट में सहकर्मी थे और कहा कि वेंस को बेहतर जानकारी होनी चाहिए। ओसवाल्ड ने कहा कि उन्हें सस्ते शॉट्स लेने के बजाय हमारे शहर को सैन्य मुक्त करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

अब बीसीसीआई की अनुमति के बाद ही जीत का जश्न मना सकेंगे राज्य क्रिकेट बोर्ड

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कर्नाटक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ से सबक लेते हुए अब सख्त दिशानिर्देश जारी किये हैं। पिछले माह आरसीबी के इस जश्न के दौरान बेंगलुरु के चिदांबरम स्टेडियम में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। बीसीसीआई का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इसके लिए अब सभी राज्यों के क्रिकेट बोर्डों को नियमों का पालन करना पड़ेगा। इसके तहत जीत के बाद कोई भी इवेंट या रोड शो के लिए बीसीसीआई से अनुमति लेनी होगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि बोर्ड बेंगलुरु भगदड़ मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में किसी भी हादस से बचने के लिए हर बात पर गंभीरता से विचार किया है। सैकिया के अनुसार आईपीएल के बाद जश्न मनाने के लिए सभी टीमों को उसके नियमों का पालना करना होगा। इसके तहत

कोई भी टीम ट्रॉफी जीतने के 3 से 4 दिन तक समारोह आयोजित नहीं कर सकेगी। जल्दबाजी में किसी जश्न का आयोजन नहीं होगा और खराब प्रबंधन से वह बच नहीं सकेगी। किसी भी इवेंट के आयोजन से पहले टीमों को बीसीसीआई से औपचारिक अनुमति लेनी होगी। बोर्ड की मंजूरी के बाद ही कोई इवेंट आयोजित किया जाएगा। किसी भी इवेंट में 4 से 5 स्तर की सुरक्षा होगी। इर स्तर पर एक स्थल यात्रा के दौरान बीच में होना चाहिये।

एयरपोर्ट से इवेंट स्थल तक सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसी प्रकार की अव्यस्था नहीं होनी चाहिये। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए पूरे इवेंट के दौरान सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिये। जिला पुलिस, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन से इवेंट के लिए अनुमति जरुरी रहेगी। इवेंट को सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए नागरिक और कानून प्रवर्तन निकायों की भी अनुमति जरुरी रहेगी। वहीं इससे पहले कर्नाटक सरकार ने भी जश्न को लेकर कड़े दिशानिर्देश दिये थे जिन्हें तोड़ने प जुर्माने के साथ ही सजा भी मिलेगी।

उबली हुई सब्जियां, नारियल पानी शामिल हैं नीरज चोपड़ा की डाइट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल प्रेमियों के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा, जब ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर मुकाबले में बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही। उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर 87.88 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह जीत नीरज के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि इससे पहले वह दोहा डायमंड लीग और जानुज कुसोसिंस्की मेमोरियल में लगातार दो बार दूसरे स्थान पर रहे थे, जिनमें स्वर्ण पदक वेबर ने जीता था। नीरज की यह वापसी सिर्फ तकनीकी नहीं, मानसिक रूप से भी प्रेरणादायक रही। टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतकर वह ऐसा करने वाले पहले एशियाई भाला फेंक एथलीट बने थे। इसके बाद उन्होंने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा और फिर पेरिस ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया। लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करते हुए नीरज ने खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। खेल में उत्कृष्टता के पीछे सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि अनुशासित जीवनशैली और सटीक डाइट का भी बड़ा योगदान होता है। नीरज चोपड़ा इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। कभी पूर्ण रूप से शाकाहारी रहे नीरज अब प्रोटीन युक्त और बैलेंस्ड डाइट लेते हैं। उनका दिन नाश्ते में ओट्स, अंडे, फल और नारियल पानी से शुरू होता है। दोपहर को वे दही-चावल, दाल, सब्जियां और ग्रिल्ड चिकन लेते हैं, जबकि ट्रेनिंग के बीच चिया सीड्स, सूखे मेवे और फल उनके ऊर्जा स्रोत होते हैं। रात को उबली सब्जियां, सूप और सलाद लेते हैं और सोने से पहले दूध और खजूर से दिन खत्म करते हैं। नीरज मानते हैं कि प्राकृतिक और संतुलित आहार ही फिटनेस की कुंजी है। उनका कहना है कि यह डाइट सिर्फ एथलीट्स के लिए नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए भी उपयोगी है, जो एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहते हैं। तले-भुने भोजन से परहेज और पौष्टिक विकल्पों की प्राथमिकता ही उनके निरंतर प्रदर्शन का मूल मंत्र है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

– आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, 'रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं।'

वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है।'

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। ÷हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं,÷ वुड ने कहा। इंग्लैंड के लिए वुड की वापसी अहम साबित हो सकती है, खासकर तब जब जोफा आर्चर, ओली स्टोन और मैथ्यू पॉट्स जैसे अन्य गेंदबाज भी चोटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में वुड की फिटनेस टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को मजबूती दे सकती है।

जसप्रीत बुमराह ने वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई बने

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन जसप्रीत बुमराह भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। बुमराह ने भारत के 471 रन पर ऑल आउट होने के बाद महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली के विकेट लिए। ऐसा करके बुमराह ने स्श्रह्व देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज़्यादा विकेट लेने के मामले में पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने दूसरे दिन के अंत तक कुल 2 विकेट झटके और स्श्रह्व देशों में 60 पारियों में 148 विकेट लिए। उन्होंने स्श्रह्व देशों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 146 विकेट लिए थे। इसके बाद अनिल कुंबले (141), इशांत शर्मा (130) और मोहम्मद शमी (123) का नम्बर आता है। इससे पहले इंग्लैंड के मार्क वुड ने मौजूदा 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह 'खेल को बदलने' की क्षमता रखते हैं। खेल के सभी प्रारूपों में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बन गए हैं। 31 वर्षीय बुमराह को भारत की युवा टीम में इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है। वुड ने इस बात पर जोर दिया कि 'खतरनाक' बुमराह किसी भी खेल चरण में कहर बरपा सकते हैं। वुड ने कहा, 'वह सभी प्रारूपों में एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो वास्तव में खतरनाक हैं। मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि उन्हें समझना और उनका सामना करना वाकई मुश्किल है। वह जितना आप सोचते हैं उससे कहीं ज़्यादा तेज़ हैं। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और वह मैच के किसी भी हिस्से में खतरनाक हैं। बुमराह खेल को बदल सकते हैं।'

कनाडा ने भारत–श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ओंटारियो - कनाडा की पुरुष क्रिकेट टीम ने अमेरिकी क्वालीफायर में बहामास को सात विकेट से हराकर अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। कनाडा की यह लगातार पांचवीं जीत थी। कनाडा ने पिछले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप भी खेला था। बीस टीमों के टूर्नामेंट में गत चैम्पियन भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी खेलेंगे। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'सात और टीमें अभी इन टीमों से जुड़ेंगी जिनमें से दो यूरोपीय क्वालीफायर (पांच से 11 जुलाई), दो अफ्रीकी क्वालीफायर (19 सितंबर से चार अक्टूबर) और तीन एशिया ईएपी क्वालीफायर (एक से 17 अक्टूबर) से आएंगी।' कनाडा ने यहां खेले गए क्वालीफायर में 57 रन का लक्ष्य छह ओवरों में हासिल कर लिया। पहले गेंदबाजी करते हुए कनाडा ने स्पिनर कलीम सना और शिवम शर्मा के तीन तीन विकेट की मदद से बहामास को 19.5 ओवर में आउट कर दिया। इसके बाद दिलप्रीत बाजवा के नाबाद 36 रन की बदौलत लक्ष्य 5.3 ओवर में हासिल कर लिया।

तीसरे दिन काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे खिलाड़ी

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पूर्व तेज गेंदबाज डेविड लॉरेंस के सम्मान में रविवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन काली पट्टियां बांधी। लॉरेंस का रविवार को 61 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लॉरेंस ने 1988 से 1992 के बीच इंग्लैंड के लिए पांच टेस्ट (18 विकेट) और एक वनडे (चार विकेट) खेला। लॉरेंस को सिड उपनाम से जाना जाता था। लॉरेंस इंग्लैंड की तरफ से खेलने वाले ब्रिटिश मूल के पहले अश्वेत क्रिकेटर थे। वह पिछले साल से मोटर न्यूरॉन बीमारी (एमएनडी) से जूझ रहे थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, 'दोनों टीमों के खिलाड़ी इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड 'सिड' लॉरेंस को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए काली पट्टी बांधकर खेल रहे हैं। लॉरेंस का रविवार को निधन हो गया था।' लॉरेंस को 2024 में इस रोग का पता चला, जिसका कोई उपचार नहीं है। यह बीमारी मस्तिष्क और तंत्रिकाओं को प्रभावित करती है, जिससे मांसपेशियां कमजोर पड़ जाती हैं। ग्लूस्टरशर के दिग्गज खिलाड़ी लॉरेंस ने 185 प्रथम श्रेणी मैच में 515 विकेट और 113 लिस्ट ए मैच में 155 विकेट लिए। तेज गेंदबाज लॉरेंस 1992 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ गेंदबाजी करते समय चोटिल हो गए थे जिसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेल पाए।

ऋषभ के गुलाटी लगाने पर बोले शास्त्री ये उसका अपना स्टाइल

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इमसें वह शतक लगाने के बाद गुलाटी लगाते हुए दिखे। अब इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री और दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा व पूर्व क्रिकेटकीप दिनेश कार्तिक की प्रतिक्रिकेया सामने आयी है। शास्त्री ने कहा कि यह उनका अपना ही स्टाइल है। ऋषभ ने 178 गेंदों में 134 रन बनाने के साथ ही अपना सातवां शतक लगाया। शास्त्री ने कहा कि पंत शायद बहुत कम उम्र से ही जिम्नास्टिक कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा, 'इसमें कुछ गलत नहीं है। वह ऐसा ही है और उसे ऐसा ही रहने दें। वह अलग है। बहुत कम उम्र से ही उसने काफी जिम्नास्टिक किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'अगर मैने भी कोशिश की होता तो शायद सीधे पूल में जाता। ऋषभ ने साल 2022 में हुए कार हादसे के बाद वापसी करते हुए जिस प्रकार से खेल पर मैदान पर वापसी की है। इससे खेल के प्रति उनके जुनून का अंदाजा होता है। इतनी सारी सर्जरी के बाद इस तरह से उन्हें गुलाटी लगाते हुए देखकर सभी हैरान हुए हैं। वहीं बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'ऋषभ तो ऋषभ है और हमेशा कुछ अलग करता है। वह बहुत अच्छे से यह करता है। किसी ने सोचा नहीं था कि वह ऐसा करेगा। मैने कभी कोशिश नहीं की। इसके लिए मुझे काफी अभ्यास करना होगा। वहीं पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'मैं ऐसा कुछ नहीं कर सकता और न ही उसकी तरह बल्लेबाजी कर सकता हूं। दोनों मोर्चों पर विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी वह अपेक्षाओं से परे प्रदर्शन करता है।

जो कुछ मिला उससे खुश हूं : रोहित

–25 साल पहले कुछ नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उन्हें अपने करियर में किसी बात का पछतावा नहीं है। रोहित ने कहा कि उन्होंने जो भी हासिल किया उससे वह खुश हैं क्योंकि 25 साल पहले उनके पास कुछ नहीं था जबकि आज उन्होंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। रोहित का कहना है कि जो भी लिखा गया है, वह हो रहा है और मैं इससे खुश हूं। किसी बात का पछतावा उनको नहीं है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं हालांकि 2023 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में वह टीम को जीत नहीं दिला पाये थे। रोहित ने दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और गीता बसरा के हूइज द बॉस? शो में कहा, मुझसे कई बार पूछा गया कि आपको जीवन में किस बात का पछतावा है? तो मैंने हमेशा सामने वाले से पूछा है कि किस बात का पछतावा? अगर मैं 25 साल पीछे जाऊं तो मुझे पता है कि मैं कहां था और मेरा जीवन कैसा था। मैं बहुत खुश हूं कि भगवान ने मुझे इतना सब कुछ दिया है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन सभी पुरस्कारों और हर चीज के साथ यहां बैठा रहूंगा। आपको केवल वही मिलता है जो आपके लिए लिखा गया है, इसलिए यह लिखा गया था और मैं इससे बहुत खुश हूं।रोहित ने साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इससे पहले वह अंडर 19 विश्व कप में भी खेले। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिला। उनकी कप्तान में भारत को दो एशिया कप, एक टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा कई सीरीज में जीत मिली।

तीन शतक के बाद भी 500 से कम रन बनाने वाली तीसरी टीम बनी टीम इंडिया

लीड्स। यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल 147 के अलावा यशस्वी जायसवाल 101 और ऋषभ पंत 134 ने भी शतक लगाये। इसके बाद भी भारतीय टीम के नाम एक शर्मनाक रिकार्ड दर्ज हुआ है। वह है तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी पहली पारी में काफी कम स्कोर 471 रन बनना। इस प्रकार वह तीन शतकों के बाद भी 500 रन न बना पाने वाली तीसरी टीम बनी है। इससे पहले तीन खिलाड़ियों के शतकों के बाद 500 से कम स्कोर पर आउट होने वाली टीमें है। दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज। इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम ने साल 2016 में तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी सबसे कम स्कोर बनाया था। इसके अलावा तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी सबसे कम रन बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज की टीमों का भी नाम है, ये सभी टीमें भी तीन बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने के बाद भी एक बार 500 रनों तक नहीं पहुंच पायीं थी। भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 147 रनों की पारी खेली, वहीं ऋषभ पंत ने 134 तो यशस्वी जायसवाल ने 101 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ सेंचुरियन में साल 2016 में तीन शतक के बाद भी 475 रन जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में साल 1924 में तीन शतक के बाद भी 494 और वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ कोलकाता में साल 2002 में 497 रन ही बनाये थे।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए : कोटक

लीड्स। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था। कोटक ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विवार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया।' शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये।

जो रूट ने जयसूर्या को पछाड़ा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बने

लीड्स (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या को पछाड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बन गए। रूट ने लीड्स में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चार्ट में यह बढ़त हासिल की। ??अपनी पारी के दौरान उन्होंने 58 गेंदों में दो चौकों की मदद से 28 रन बनाए। वे अंततः 25 पारियों में 10वीं बार जसप्रीत बुमराह का शिकार बने, उनके खिलाफ उनका औसत 29 रहा।

रूट ने 366 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 479 पारियों में 49.30 की औसत से 21,053 रन बनाए हैं जिसमें 54 शतक और 112 अर्द्धशतक शामिल हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है। वे टेस्ट और वनडे सहित सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका के दिग्गज जयसूर्या ने 651 पारियों में 34.14 की औसत से 42 शतकों और 103 अर्द्धशतकों की मदद से 21,032 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 340 है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भारतीय आइकन सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने 664 मैचों की 782 पारियों में 48.52 की औसत से 100 शतकों और 164 अर्द्धशतकों की मदद से 34,357 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 248* है। टेस्ट क्रिकेट में रूट ने 154 मैचों की 280 पारियों में 50.71 की औसत से 36 शतकों और 65 अर्द्धशतकों की मदद से 13,034 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है।

रूट ने वनडे में 180 मैचों और 169 पारियों में 49.14 की औसत से 7,126 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक और 42 अर्द्धशतक शामिल हैं। 32 टी20आई और 30 पारियों में उन्होंने 35.72 की औसत से 893 रन बनाए हैं, जिसमें 126.30 की स्ट्राइक रेट और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90* है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने दूसरे दिन 209/3 के स्कोर पर दिन का अंत किया जिसमें ओली पोप (100*) और हैरी ब्रुक (0*) नाबाद रहे। बेन डकेट (94 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 62) के अर्धशतक और पोप के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने जैक क्रॉली के जल्दी आउट होने के बाद इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। जसप्रीत बुमराह (तीन विकेट) ने समय पर स्ट्राइक देकर इंग्लैंड के लिए मुश्किलें खड़ी कीं, लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से बमुश्किल ही सहयोग मिला। इंग्लैंड अभी 262 रन से पीछे है।

इससे पूर्व पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल (159 गेंदों में 101 रन, 16 चौके), कप्तान शुभमन गिल (227 गेंदों में 147 रन, 19 चौके और एक छक्का) और ऋषभ पंत (178 गेंदों में 134 रन, 12 चौके और छह छक्के) के शतकों की बदौलत भारत ने 471 रन बनाए। एक समय स्कोर 430/4 था, कप्तान बेन स्टोक्स (4/66) और जोश टंग (4/86) ने टीम को ढेर कर दिया। लेकिन जायसवाल और पंत की पारियों ने टीम को संभाला और 471 रन बनाने में मदद की।

बुमराह को बार–बार गेंदबाजी के लिए लगाने से उनपर दबाव पड़ेगा : कार्तिक

लीड्स। पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर जरुरत से अधिक दबाव नुकसानदेह रहेगा। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन ने 13 ओवर गेंदबाजी की थी और तीन विकेट लिए थे। वहीं अन्य गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर ने 36 ओवर किये पर एक भी विकेट नहीं ले पाये। ऐसे में विकेट के लिए बार–बार उन्हें लाना पड रहा था। कार्तिक ने इसी को लेकर चिंता जताई और कहा है कि कप्तान को बुमराह पर ज्यादा दबाव नहीं डालने अन्य गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना होगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'बुमराह और बाकी गेंदबाजों के बीच बहुत ज्यादा अंतर रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को देखकर लग रहा था कि वे किसी प्रका बुमराह का स्पेल निकला देना चाह रहे थे जिससे उनके पास बाद के ओवरों में अधिक अच्छा अवसर रहे।' इससे भारतीय कप्तान पर दबाव पड़ेगा और वह बुमराह के पास जाएंगे।' साथ ही कहा कि बुमराह को अपने शरीर का भी ध्यान रखना होगा.' कार्तिक ने साथ ही कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें टेस्ट में थकान के कारण ही बुमराह ने कप्तानी की दौड़ से अपने को बाहर कर लिया था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट ही खेल सकते हैं। एक दिन में जब बड़ी मुश्किल से 60 ओवर फेंके जाते हैं तब बुमराह ने पहले ही दिन 13 ओवर फेंक दिए। इससे साफ है कि हर बार जब आपको विकेट की जरूरत होती है, तो बुमराह को लाना पड़ा।' कार्तिक ने साथ ही कहा, 'वह हमेशा टीम के लिए अधिक से अधिक विकेट लेते हैं। इसलिए आप उस आदत में पड़ जाते हैं पर दूसरों को निश्चित रूप से प्रेरित करने का तरीका अब कप्तान को तलाश होगा। वहीं अन्य गेंदबाजों को भी कहना होगा कि मैं तैयार हूं, मुझे गेंद दो, यह मेरी योजना है, मैं गेंदबाज करना चाहता हूं।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.62 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से छह का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,62,288.06 करोड़ रुपये बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 54,055.96 करोड़ रुपये बढ़कर 11,04,469.29 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 50,070.14 करोड़ रुपये बढ़कर 19,82,033.60 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 38,503.91 करोड़ रुपये बढ़कर 15,07,281.79 करोड़ रुपये हो गया। वहीं इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 8,433.06 करोड़ रुपये जोड़े और कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,73,751.09 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 8,012.13 करोड़ रुपये बढ़कर 10,18,387.76 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक की 3,212.86 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 7,10,399.75 करोड़ रुपये हो गई। इस रुख के विपरीत बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 17,876.42 करोड़ रुपये घटकर 5,62,175.67 करोड़ रुपये रह गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के मूल्यांकन में 4,613.06 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 12,42,577.89 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 3,336.42 करोड़ रुपये घटकर 5,41,557.29 करोड़ रुपये रह गया।

मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी, मुकदमा दर्ज

- ठग ग्राहकों तक बना रहे अपनी पहुंच

नोएडा ।

नोएडा में मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी हो गया है। इससे ठग ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्राहकों के शिकायत पर कंपनी प्रबंधन ने जानकारी कि तो डेटा में सेंधमारी होने का पता चला। कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली द्वारिका के रहने वाले जसविंदर सिंह अहलूवालिया की सेक्टर 60 में अग्रवाल मूवर्स एंड पैकर्स के नाम से कंपनी का कार्यालय है। वह कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ हैं। उनका कंपनी प्रबंधन एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक लॉजिस्टिक्स संगठन है, जो देशभर के ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। इनमें वरिष्ठ नौकरशाह, रक्षा कर्मी, न्यायाधीश, राजनयिक और प्रमुख नागरिक शामिल हैं। एक जून से ग्राहकों के पास ठगों के काल पहुंचने की शिकायत मिल रही हैं। ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने लाजिस्टक संबंधी जानकारी केवल कंपनी प्रबंधन के साथ ही साझा की थी। इस जानकारी के साथ ही अन्य लोगों की काल आ रही है। इससे साफ है कि कंपनी प्रबंधन की चूक के चलते ही उनकी जानकारी लीक हो रही है। इसका पता चलने पर कंपनी प्रबंधन ने संज्ञान लिया जबकि वह डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उच्च स्तरीय केंद्रीकृत साइबर सुरक्षा रखते हैं। कड़ी सुरक्षा के बाद भी प्रबंधन को पता चला है कि अवैध साइबर घुसपैठ हो रही है। इससे ग्राहकों के नाम, पते व सामान की जानकारी का दुरुपयोग किया जा रहा है। वह इसके संबंध में तकनीकि ऑडिट भी करा चुके हैं। उन्होंने डेटा हैकिंग, डेटा चोरी और दुरुपयोग के संबंध में साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। डीसीपी साइबरने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

चंदा कोचर ने रखा था एचडीएफसी-आईसीआईसीआई मर्जर का प्रस्तावः दीपक पारेख

- मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की अहम भूमिका रही

मुंबई ।

एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कई साल पहले आईसीआईसीआई बैंक की तत्कालीन प्रमुख चंदा कोचर ने एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के बीच मर्जर का प्रस्ताव रखा था। यह बात पारेख ने चंदा कोचर के यूट्यूब चैनल पर एक बातचीत के दौरान शेयर की। उन्होंने कहा कि मुझे याद है, आपने मुझसे कहा था कि आईसीआईसीआई ने ही एचडीएफसी को शुरू किया था, तो क्यों न आप वापस घर आ जाएं। पारेख ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उनका कहना था कि यह मर्जर एचडीएफसी के नाम और बैंक के लिए सही नहीं होता। यह बात पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुई, लेकिन अब वह इसे शेयर करने में सहज हैं। गौरतलब है कि एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक का बहुप्रचारित रिवर्स मर्जर जुलाई 2023 में पूरा हुआ था। इस मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अहम भूमिका रही। आरबीआई ने इस मर्जर को बढ़ावा दिया। एचडीएफसी जैसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि उनकी संपत्ति 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी थी। आरबीआई का मानना था कि 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाली संस्थाओं को मर्जर जैसे कदम उठाने चाहिए। पारेख ने कहा कि आरबीआई ने हमें सपोर्ट किया और कुछ हद तक इस मर्जर के लिए प्रेरित किया, लेकिन कोई छूट नहीं दी गई। चीन के बैंकों को देखिए, कितने बड़े हैं। हमें भी भारत में बड़े और मजबूत बैंक बनाने होंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारतीय बैंकों को अधिग्रहण के जरिए और बड़ा होना चाहिए। पारेख ने वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन, व्यापार नीतियों और निर्यात की अनिश्चितताओं को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही, उन्होंने इंश्योरेंस सेक्टर को लेकर कहा कि यह भारत में सबसे कम समझा जाने वाला प्रोडक्ट है। उन्होंने बैंकों द्वारा अच्छे कमीशन के लालच में गलत तरीके से इंश्योरेंस बेचने की प्रथा की भी आलोचना की।

भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति बदली

- रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

नई दिल्ली ।

इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने रविवार सुबह ईरान में तीन स्थलों पर हमला किया। वह इस युद्ध में सीधे इजरायल के साथ शामिल हो गया है। इजरायल ने 13 जून को सबसे पहले ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। एक वैश्विक व्यापार विश्लेषक कंपनी के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं। यह दो साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसके साथ ही यह इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कुवैत से खरीदी गई कुल मात्रा से अधिक है। मई में रूस से भारत का तेल आयात 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) था। जून में अमेरिका से भी आयात बढ़कर 4,39,000 बीपीडी हो गया। पिछले महीने यह आंकड़ा 2,80,000 बीपीडी था।

स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 का जुर्माना देने का आदेश

- यात्री को गलत टिकट जारी करने का मामला

मुंबई ।

उपभोक्ता आयोग ने एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया है। उपभोक्ता आयोग ने कहा है कि 2020 में यात्री की यात्रा का मार्ग बदलते समय एयरलाइन ने उसे गलत टिकट जारी किया था। इससे यात्री को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, मुंबई (उपनगर) ने पारित आदेश में, यात्री को मानसिक उत्पीड़न के लिए स्पाइसजेट को सेवा में खामी और लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया है। घाटकोपर इलाके में रहने वाले शिकायतकर्ता एक वरिष्ठ नागरिक हैं। उन्होंने पांच दिसंबर, 2020 के लिए मुंबई से दरभंगा और दो दिन बाद वापसी की यात्रा के लिए स्पाइसजेट की टिकट बुक की थी। मुंबई से दरभंगा की यात्रा पूरी हो गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई। शिकायत में कहा गया है कि चूंकि उन्हें आठ दिसंबर, 2020 को मुंबई में पीएचडी ऑनलाइन परीक्षा देनी थी, इसलिए उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था का अनुरोध किया। स्पाइसजेट ने उसी दिन पटना से कोलकाता और फिर कोलकाता से मुंबई की यात्रा के लिए वैकल्पिक टिकट उपलब्ध कराया। हालांकि, पटना पहुंचने पर, हवाई अड्डा अधिकारियों ने उन्हें बताया कि जारी किया गया टिकट गलत था, क्योंकि कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान उनके कोलकाता पहुंचने से पहले ही रवाना होने वाली थी।

इस गड़बड़ी के कारण शिकायतकर्ता को अगली सुबह के लिए अपने खर्च पर दूसरी उड़ान बुक करनी पड़ी, जिससे उसे काफी परेशानी, मानसिक पीड़ा और वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा।

डीजीसीए ने एयर इंडिया के निरीक्षणों, लेखा परीक्षा का मांगा ब्योरा

मुंबई ।

विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने उड़ान संचालन निरीक्षकों से 2024 से एयर इंडिया के लिए किए गए निरीक्षणों और लेखा परीक्षा का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुता बिक उन्होंने कहा कि निरीक्षणों और लेखा परीक्षा के निष्कर्षों का ब्योरा रविवार तक जमा करना होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ई-मेल के जरिए भेजे गए संदेश में 2024 और 2025 के लिए ये विवरण मांगे हैं। नियामक ने इससे एक दिन पहले एयरलाइन को उड़ान कार्य समय सीमा (एफडीटीएल) के उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और कुछ खामियों के लिए एयरलाइन के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाने का आदेश दिया था। ईमेल के अनुसार नियोजित और अनियोजित निरीक्षण, लेखा परीक्षा, कॉकपिट/मार्ग, स्टेशन सुविधा, रैंप और केबिन निरीक्षण आदि पर विवरण मांगा गया है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.73 प्रतिशत उबलकर 74.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की तेजी लेकर 77.32 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली पेट्रोल 94.72, डीजल 87.62 रुपए प्रति लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21, डीजल 92.15 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई पेट्रोल 100.75, डीजल 92.34 रुपए प्रतिलिटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76 रुपए प्रति लिटर बिक रहा है।

भू-राजनीतिक तनाव से 63 प्रतिशत कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोकीं : रिपोर्ट

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के दौरान भू-राजनीतिक तनाव से भारतीय कंपनियों भी प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियों ने इस परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने का फैसला किया या अपने कर्मचा रियों ने छंटनी करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या अपनी टीम का आकार घटा रही है। वहीं 15 प्रतिशत अन्य ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध-आधारित या 'फ्रीलांस' भूमिकाओं की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। यह रिपोर्ट 12 मई से छह जून के दौरान देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के 2,006 कर्मचारियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। वहीं 21 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनपर कार्य का दबाव बढ़ा है, जबकि 22 प्रतिशत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार संपर्क या यात्रा बाधित हुई है। 21 प्रतिशत ने कहा कि टीम का मनोबल और नौकरी का भरोसा कम हो रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे बेहद चिंतित हैं और पहले से ही चेतावनी के शुरुआती संकेत देख रहे हैं। वहीं 26 प्रतिशत ने कहा कि वे थोड़े चिंतित हैं।

इजरायल-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों का कारोबार भी शेयर बाजार को प्रभा वित करेगा

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा इजरायल-ईरान संघर्ष और इससे वैश्विक आपूर्ति प्रभो वित होने और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां शेयर बाजार की चाल पर प्रभाव डालेगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बीते सप्ताह पश्चिम एशिया के संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को नजरअंदाज करते हुए शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस सप्ताह वैश्विक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। इसमें ईरान और इजरायल के बीच भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक मानसून की प्रगति, मासिक अनुबंधों के निपटान से संबंधित अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक अभी अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक अमेरिका के आगामी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर और व्यक्तिगत उपभोग खर्च के आंकड़ों पर भी कड़ी नज़र रखेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें भारत के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़ों पर भी रहेगी। निवेशक अमेरिका के विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों के अलावा भू-राजनीतिक मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि अप्रैल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की प्रवृत्ति में उलटफेर हुआ तथा मई में इसमें काफी मजबूती आई। मई में दर्ज किया गया निवेश पिछले आठ महीनों में सबसे अधिक रहा, जो भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष सहित अन्य भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से जून में बाजार में सतर्कता के साथ आशावादी रुख देखने को मिल रहा है।

बीते सप्ताह सरसों, पाम-पामोलीन, बिनौला तेल में तेजी, मूंगफली में गिरावट रही

- सोयाबीन व मूंगफली का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे रहे

नई दिल्ली । बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में पाम-पामोलीन और सोयाबीन तेल, सरसों तेल-तिलहन के भाव में तेजी का रुख रहा। वहीं मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट देखी गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) के अच्छे दाम नहीं मिलने और तेल पेराई मिलों की मांग में कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के भाव पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहे। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश का तेल-तिलहन कारोबार मुख्यत: शिकॉगो और मलेशिया एक्सचेंज के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है, जहां लगभग पूरे सप्ताह तेजी बनी रही। विदेशी बाजारों की इस तेजी की वजह से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा सोयाबीन तेल कीमतों में समीक्षाधीन सप्ताह में सुधार आया। लेकिन सोयाबीन डीओसी के बेहतर दाम नहीं मिलने की वजह से देशी पेराई मिलें सोयाबीन खरीद में कम दिलचस्पी ले रही हैं। इसके अलावा हाजिर बाजार में सोयाबीन के साथ-साथ मूंगफली का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे है। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश: 4,425-4,475 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बने रहे। वहीं सोयाबीन दिल्ली का दाम 100 रुपये बढ़कर 12,700 रुपये, सोयाबीन इंदौर तेल का दाम 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये तेज होकर 9,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली फसल मंडियों में आने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये टूटकर 5,675-6,050 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश: 150 और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 13,650 रुपये क्विंटल और 2,210-2,510 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये बढ़कर 14,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारतीय बाजार में बिक्री बढ़ाने यूरोपीय ब्रांड कर रहे संघर्ष

नई दिल्ली ।

पिछले तीन वित्त वर्षों में भारतीय बाजार में यूरोपीय ब्रांडों की बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। यूरोप के प्रमुख वाहन ब्रांड रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वैश्विक वाहन उद्योग को आंकड़े और विश्लेषण उपलब्ध कराने वाली एक कंपनी ने कहा कि भारत में रेनों की बिक्री में बड़ी गिरावट देखी गई है। भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 2024-25 में घटकर 37,900 इकाई रह गई। यह आंकड़ा 2023-24 में 45,439 इकाई और 2022-23 में 78,926 इकाई था। इसी तरह स्कोडा की भारतीय बाजार में बिक्री 2024-25 में 44,866 इकाई रही। यह 2023-24 के 44,522 इकाई से मामूली अधिक है। हालांकि, 2022-23 के आंकड़े 52,269 इकाई से काफी कम है। दूसरी ओर, फॉक्सवैगन ब्रांड ने 2024-25 में 42,230 गाड़ियां बेचीं। 2023-2024 में कंपनी की बिक्री 43,197 इकाई और 2022-2023 में 41,263 इकाई रही थी।

इस साल दो खदान से उत्पादन शुरू करेगी सीसीएल

रांची । कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) चालू वित्त वर्ष में दो नई कोयला खदानों से उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में सालाना एक से 1.2 करोड़ टन बढ़ेगी। जिससे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 करोड़ टन और 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन के आंकड़े को पार कर सकता है। सीसीएल के अे धिकारी ने यहां मी डियाके मियों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने इस साल दो नई खदानें खोलने की योजना बनाई है। कंपनी की योजना अक्टूबर तक 50 लाख टन (एमटी) की अधिकतम क्षमता वाले कोटरे बसंतपुर ब्लॉक (कोकिंग कोयला खान) में उत्पादन शुरू करने की है। वहीं 1.5 करोड़ टन सालाना क्षमता की खुली चंद्रगुप्त खान परियोजना (गैर-कोकिंग कोयला) के मामले में उत्पादन मार्च, 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 8.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह सीसीएल का अबतक का सबसे ऊंचा सालाना उत्पादन है।

म्युचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलाव की योजना बना रहा सेबी

निवेशकों के लिए आसान और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाएगा

मुंबई । सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) म्यूचुअल फंड के नियमों में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इसका मकसद निवेशकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना और इंडस्ट्री को और मजबूत करना है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के 17वें म्यूचुअल फंड सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा नियम काफी जटिल और लंबे हैं, जिन्हें सरल करने की जरूरत है ताकि निवेशकों की बदलती जरूरतों और इंडस्ट्री की नई तकनीकों के साथ कदम मिलाया जा सके। उन्होंने बताया कि सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिस पर लोगों से राय ली जाएगी। हालांकि, उन्होंने नए नियम लागू होने की कोई समयसीमा नहीं बताई। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में सलाहकारी सेवाओं से जुड़े नियमों पर भी एक परामर्श पत्र तैयार किया जा रहा है। सेबी का लक्ष्य है कि म्यूचुअल फंड भारत के वित्तीय बाजार को और मजबूत करें और निवेशकों का भरोसा बढ़ाएं। सेबी ने निवेशकों को ज्यादा विकल्प देने के लिए एक नई प्रोडक्ट श्रेणी एसआईएफ को मंजूरी दी है। यह उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख से 50 लाख रुपये तक का निवेश करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड को इस प्रोडक्ट को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है क्योंकि उनके पास मजबूत ढांचा और खुदरा निवेशकों का अनुभव है। साथ ही पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज और ऑल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट फंड के लिए भी तेजी से रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई है।

आजकल की कॉमेडी फिल्मों में बार-बार दोहराई जा रहे जोक्स और पंचलाइन

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की आने वाली हॉरर फिल्म मां रिलीज के लिए तैयार है। काजोल ने सिनेमा में कॉमेडी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार साझा किए। काजोल ने कहा कि कॉमेडी फिल्मों में नयापन और गहराई की कमी है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, तो वह कॉमेडी फिल्मों में दोबारा काम करना चाहेंगी। उनका मानना है कि वह कॉमेडी फिल्मों के लिए कुछ नया पेश कर सकती हैं।

बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि अगर कंटेंट दमदार होगा, तो वह जरूर कॉमेडी में वापसी करेंगी। काजोल ने बताया कि कॉमेडी एक ऐसी शैली है, जो हर इंसान के लिए अलग है, जो बात एक इंसान को हंसाती है, जरूरी नहीं कि वही बात दूसरे को भी हंसाए। आज की फिल्मों में जो कॉमेडी दिखाई जाती है, वह ज्यादातर आम लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के मकसद से बनाई जाती है, न कि किसी नए विचार से। दिलवाले फिल्म की एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल एक ही तरह के जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराए जा रहे हैं, जिससे कॉमेडी में नयापन रहा ही नहीं है।

काजोल ने कहा, मैं कॉमेडी फिल्म करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसमें बेहतरीन काम करूंगी। कॉमेडी हर इंसान के लिए अलग होती है, जो बात उन्हें मजेदार लगे, जरूरी नहीं कि वही बात किसी और को भी हंसाए। इसलिए कॉमेडी एक व्यक्तिगत पसंद की चीज है। आजकल ज्यादातर कॉमेडी फिल्में बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान खींचने के लिए बनाई जाती हैं, न कि किसी अलग सोच या खास नजरिए से। फिल्मों में वही जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराई जा रही हैं, जिससे कॉमेडी में कोई नयापन नहीं बचा। बेहतरीन कॉमेडी फिल्म बहुत समय से देखने को नहीं मिली है। काजोल ने पुरानी फिल्मों की भी तारीफ की। उन्होंने ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी फिल्मों में जो हास्य होता था, वह न सिर्फ मजेदार बल्कि समझदारी भरा और दिल से जुड़ा हुआ होता था। आजकल ऐसी दिल को छूने वाली कॉमेडी फिल्में कम ही बन रही हैं। अफसोस कि अब ऐसी स्मार्ट और सच्ची कॉमेडी फिल्मों की कमी हो गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजोल इन दिनों अपनी पहली हॉरर फिल्म मां के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सलमान खान की गलवान घाटी पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में सलमान खान सिकंदर फिल्म में नजर आए। फिल्म को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद सलमान खान अब अपनी नई फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। निर्माताओं ने जानकारी दी है कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत कौन सी एक्ट्रेस रहेगी। फिल्म में देशभक्ति के अलावा भरपूर एक्शन है। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुए संघर्ष पर आधारित है। एक खबर के मुताबिक फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह को लिया गया है। यह पहली बार है, जब दोनों बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। चित्रांगदा सिंह को हजारों ख्वाहिशें ऐसी के लिए जाना जाता है। इसके बाद वह देसी ब्वॉज और गब्बर इज बैक के गाने आओ राजा में नजर आई थीं।

सलमान निभाएंगे कर्नल बी का किरदार

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अभी सामने नहीं आया है। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह के उपन्यास इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3 पर आधारित है। फिल्म में कथित तौर पर सलमान खान कर्नल बी का किरदार निभाएंगे। यह वही अफसर हैं जिन्होंने गलवान संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था।

मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे सलमान खान

पिंकविला के मुताबिक फिल्म की फोटोग्राफी जुलाई 2025 से शुरू होगी। बताया ये भी जाता है कि फिल्म अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। सलमान खान इन दिनों अपनी बॉडी पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में रोल को निभाने के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे हैं।

अनुपमा ने टार्गेटेड ट्रोलिंग पर की बात

एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन की गिनती साउथ की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। मलयाली होने के बावजूद अनुपमा ने तेलुगु सिनेमा में अपना एक अलग नाम कमाया है। अब अनुपमा सुरेश गोपी की फिल्म 'जानकी बनाम केरल राज्य' के साथ मलयालम सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। 'जानकी बनाम केरल राज्य' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा परमेश्वरन अपनी आलोचनाओं को लेकर भी खुलकर बात की। साथ ही करियर के शुरुआती दिनों को भी याद किया। अभिनेत्री ने कहा, कई लोगों ने मुझे मलयालम में यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मुझे अभिनय करना नहीं आता। मुझे बहुत ज्यादा टार्गेटेड ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। लोगों ने जानबूझकर मेरी आलोचना की और मुझे निशाना बनाया। इन सबके बावजूद इस फिल्म के निर्देशक प्रवीण नारायणन ने मुझे मुख्य किरदार के रूप में कास्ट किया। इस फिल्म में एक दिल है और वह जानकी है। मुझे उसे सौंपने के लिए प्रवीण नारायणन का धन्यवाद।

अभिषेक बच्चन की आगामी फिल्म 'कालीधर लापता' का एलान

अभिषेक बच्चन के फैंस के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आ रही हैं। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म का एलान कर दिया है और उसका पोस्टर भी जारी कर दिया है। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज तारीख की भी घोषणा कर दी है। आइए जानते हैं पूरी डिटेल। हाल ही में अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म कालीधर लापता का एलान किया है। फिल्म के पोस्टर में अभिनेता किसी बच्चे के साथ एक पेड़ पर बैठे दिख रहे हैं। इसमें वो किसी उम्रदराज और अनुभवी इंसान की भूमिका में दिख रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'चर्चाओं पर अब फुल स्टॉप! कभी-कभी, खो जाना कोई चक्कर नहीं होता, बल्कि यहीं से असली कहानी शुरू होती है। सपने, ट्विस्ट और इसे सार्थक बनाने वाले लोगों से भरपूर।' साथ ही अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म 4 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन मधुमिता ने किया है और इसे जी स्टूडियो द्वारा सहयोग प्राप्त है। यह फिल्म गांव की कहानी पर आधारित है। हालांकि आपको बताते चलें कि बीते दिनों अभिनेता ने एक पोस्ट करते हुए बताया था कि वो लापता होना चाहते हैं, जिससे उनके फैंस चिंतित हो उठे थे। जबकि अभिनेता का इशारा उनकी आगामी फिल्म कालीधर लापता की ओर था।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म की कहानी की बात करें तो यह कालीधर नाम के इंसान के आस-पास घूमती है, जो एक उम्रदराज व्यक्ति है। एक दिन उसे पता चलता है कि उसका परिवार उसे छोड़ने वाला है। इस वजह से वह भाग जाता है और उसकी मुलाकात एक बच्चे से होती है। इसके बाद कहानी में असली मोड़ आता है।

अनुराग बसु के साथ पंकज त्रिपाठी की खास केमिस्ट्री बोले- उनकी और भी फिल्मों में काम करना चाहूंगा

अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो...इन दिनों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम किया। एक्टर ने उन्हें अपना पसंदीदा डायरेक्टर बताया। अनुराग बसु और फिल्म मेट्रो...इन दिनों के बारे में बात करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, वह एक बेहतरीन डायरेक्टर हैं। मैं कई सालों से उनके साथ काम करना चाहता था। अगर वह मुझे अपनी फिल्मों में लेते हैं, तो मैं उनके साथ और भी फिल्में करना चाहूंगा। वह मेरे पसंदीदा डायरेक्टर हैं। उनके सेट पर हम आराम से जाते हैं। हमें न तो ज्यादा तैयारी करनी पड़ती है और न ही कोई प्लानिंग होती है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अपने तरीके से काम करना अच्छा लगता है, इसलिए मैं ज्यादा तैयारी नहीं करता। किरदार और कहानी का ढांचा पहले से तय होता है, लेकिन सीन को कैसे करना है, यह हम वहीं सेट पर तय करते हैं। पंकज ने फिल्म के बारे में बताते हुए कहा कि यह फिल्म आज के दौर के रिश्तों को दिखाएगी। एक्टर ने कहा, यही तो मेट्रो...इन दिनों की कहानी है। यह फिल्म आज के नजरिए से प्यार और रिश्तों को दिखाती है और वह भी अलग-अलग उम्र के लोगों के बीच। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म मेट्रो...इन दिनों आज के समय के उलझे और बदलते रिश्तों को दिखाती है। इसमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता अहम किरदार में हैं। मेट्रोज्इन दिनों साल 2007 में आई मशहूर फिल्म लाइफ इन एज मेट्रो का सीक्वल है। फिल्म के गाने प्रीतम ने बनाए हैं। इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है तो उसका टूट जाना ही बेहतर

दंगल की गीता फोगट हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान की वॉरियर प्रिंसेस जाफिरा, मॉडर्न लव मुंबई की लालजरी या धक धक की बिंदास स्काई, ऐक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने पर्दे पर हमेशा मजबूत लड़कियों के किरदार निभाए हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो...इन दिनों के लिए। ऐसे में, हमने उनसे प्यार, रिश्ते, शादी आदि पर की खास बातचीत।

एक दौर था, जब बॉलिवुड अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाना जाता था। मगर कुछ सालों से क्राइम, ऐक्शन, थ्रिलर पर ज्यादा जोर दिख रहा है। आपको लगता है कि लोग रोमांटिक फिल्में मिस कर रहे हैं?

सौ फीसदी। हम सब मिस कर रहे हैं, क्योंकि सिनेमा को इतना सीरियस भी नहीं ले सकते। हम सबकी जिंदगी में वैसे ही इतनी मुश्किलें, इतनी सीरियस चीजें हैं कि आप पर्दे पर कुछ हल्का-फुल्का देखना चाहते हैं। रोमांटिक फिल्में हमेशा हमारी जिंदगी का हिस्सा रही हैं। हमने अपनी जिंदगी में जितना भी रोमांस किया है, उस पर कुछ न कुछ प्रभाव हमारी फिल्मों का रहा ही है। हमने फिल्मों में देखा कि शाहरुख ने ऐसा कुछ किया तो उसे अपनी असल जिंदगी में अप्लाई किया, तो वो चीज़ मुझे लगता है कि अभी मिसिंग है। हमारी फिल्म मेट्रो इन दिनों से शायद वो कमी थोड़ी दूर हो, क्योंकि इसमें अलग-अलग उम्र, अलग-अलग किस्म के प्यार की कहानी है, तो हर इंसान किसी ना किसी इमोशन रिलेट करेगा।

आजकल प्यार बहुत जटिल हो गया है, जैसा कि फिल्म में भी एक डायलॉग है। शादी की संस्था से भी युवा पीढ़ी का भरोसा उठ रहा है। आपका प्यार और शादी को लेकर क्या नजरिया है?

फातिमा ने कहा, प्यार को लेकर हम लोग जो इतना सोचते हैं कि हम प्यार ऐसे करेंगे, वैसे करेंगे, मगर असल जिंदगी में जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो उस पर कुछ कंट्रोल नहीं होता। आपके जितने भी सिद्धांत या नियम होते हैं सब खिड़की के बाहर चले जाते हैं। उसी तरह, मैं शादी में यकीन रखती हूं और मुझे लगता है कि शादी तब ज्यादा चलती है, जब बच्चा होता है। क्योंकि हमारे देश में अगर मां, बाप और बच्चा एक परिवार के रूप में साथ होते हैं, तो सरकार बहुत सारी सुविधाएं और सुरक्षा देती है। कानून भी प्रोटेक्ट करता है, तो बहुत सारे फायदे हैं। इसके अलावा, शादी को तोड़ने के लिए बहुत सोचना पड़ता है। आप ऐसे उठकर अलग नहीं हो जाते।

फिर भी इन दिनों तो तलाक के मामले बहुत ज्यादा सामने आ रहे हैं...

यह भी अच्छी बात है ना। पहले तलाक एक टैबू था। दूसरे, बहुत सारी औरतें कमाती नहीं थीं। वे अपने पति पर ही निर्भर होती थीं। उनके पास कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं होता था, इसलिए वे तलाक लेने की सोचती भी थीं तो हमारा समाज उन्हें हतोत्साहित ही करता था। मगर आज वे आत्मनिर्भर हैं। ऐसे में, अगर दो लोगों के बीच जम नहीं रहा है, तो हमें एक समाज के तौर पर उन्हें सपोर्ट करना चाहिए, क्योंकि ऐसे साथ रहने का क्या मतलब है? बाहरवालों के लिए बोलना आसान होता है कि शादी को निभाना चाहिए, मगर हमने बहुत देखा है कि अगर घर में क्लेश होता है तो बच्चे पर भी खराब असर ही पड़ता है। मेरे हिसाब से ऐसे में तलाक एक एंपवारमेंट है। अगर रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है, तो उसका टूट जाना ही बेहतर है।

आपने दंगल हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान, धक धक या मॉडर्न लव, पर्दे पर ज्यादातर दमदार लड़कियों के किरदार ही निभाए हैं। क्या यह आपकी सोची-समझी कोशिश होती है कि ऐसे मजबूत किरदार ही निभाने हैं?

100 पर्सेंट। मुझे वो करैक्टर्स पसंद ही नहीं हैं जिसको बोलो- उठो तो उठ जाए, जिसको बोलो बैठो, तो बैठ जाए, क्योंकि मैं असल जिंदगी में वैसे नहीं है। ऐसा हो ही नहीं सकता कि मुझे कोई लड़का बोले कि ये पहन, तो मैं पहन लूं। मुझे नहीं पहनना है तो मैं नहीं पहनूंगी, मेरी मर्जी है। जब मेरे मां-बाप ने मुझे कभी कुछ नहीं बोला है, तो मैं किसी और की नहीं सुनूंगी। इसलिए, हां, ऐसे किरदार मैं सोचकर ही करती हूं, क्योंकि मुझे ऐसे किरदार पसंद ही नहीं आते, जिसमें रीढ़ की हड्डी न हो। देखिए, अगर एक सहमी लड़की है, जो अपने फैसले खुद नहीं ले सकती, मुझे उसे करने में भी कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आखिर में उसमें बदलाव आना चाहिए, उसे सशक्त होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो वह मेरे लिए बहुत बोरिंग किरदार है।

आपके लिए एक रिश्ते में सबसे बड़ा डील ब्रेकर क्या है? दूसरे, आप अपने पार्टनर में तीन खूबियां क्या चाहेंगी?

एक्ट्रेस फातिमा ने कहा, मेरे लिए डील ब्रेकर रिश्ते में बेईमानी और भरोसा ना होना है, क्योंकि अगर भरोसा नहीं है ना तो कुछ भी करो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। मेरे लिए बहुत जरूरी है कि मेरा पार्टनर ऐसा हो, जिस पर भरोसा किया जा सके। रही बात उसकी खूबियों की, तो उसे प्यार को जताने से कतराना नहीं चाहिए। ऐसा न हो कि अगर आई लव यू बोलना है तो उसमें 10 दिन लगते हैं। ईगो नहीं होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जब हम रिलेशनशिप में होते जाते हैं, तो मर्द यह उम्मीद करता है कि आप बदल जाओ। अपनी चॉइसेज बदल लो। अपना रहन सहन, कपड़ा पहनना जो भी है, वो नहीं होना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in